भाषा उत्थान

Based on ICSE Board

सहायक पुस्तिका

8

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन
इस पुस्तक के किसी भी भाग का, किसी भी रूप में मुद्रण, प्रकाशन, संग्रहण अथवा प्रसारण प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना करना वर्जित है।

हेल्प लाइन

कहाँ क्या है

	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार का नाम	पृष्ठ
1.	**प्रणति**	कविता	रामधारी सिंह दिनकर	3
2.	**सयानी बुआ**	कहानी	मन्नू भंडारी	5
3.	**मंतर**	हास्य व्यंग्य	सआदत हसन मंटो	7
4.	**ज़िंदगी का स्पर्श देती माँ**	संस्मरण	डॉ॰ लवलीन थदानी	11
6.	**अपनी बिटिया के लिए**	कविता	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	13
7.	**मेरी साहसिक यात्रा**	साहसिक विदेशी कथा	रॉबिंसन क्रूसो	15
8.	**जल पुरुष : राजेंद्र सिंह**	रिपोर्ताज	संकलित	18
10.	**सिंड्रेला का स्वप्न**	कहानी	सूर्यबाला	21
12.	**मेरा घनिष्ठ पड़ोसी**	कविता	कुँवर नारायण	23
13.	**पहलवान की ढोलक**	कहानी	फणीश्वर नाथ रेणु	25
14.	**कंचा**	कहानी	टी. पद्मनाभन	28
15.	**भक्ति पदावली**	पदावली	मीरा/सूर/कबीर	31
17.	**संध्या की लाली**	अनुदित कहानी	पूरन सिंह	34
18.	**स्वराज्य की नींव**	एकांकी	विष्णु प्रभाकर	37
19.	**चीफ़ की दावत**	कहानी	भीष्म साहनी	40
20.	**नीड़ का निर्माण**	कविता	हरिवंशराय बच्चन	43

1 प्रणति

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) लघु दीपों ने क्या नहीं माँगा?

स्नेह ✓

ख) धरती अभी तक किसके सिंहनाद से डोल रही है?

क्रांतिकारियों की वीरतापूर्ण गर्जनाओं से ✓

ग) कवि ने चकाचौंध का मारा किसे कहा है?

इतिहास को ✓

घ) क्रांतिकारियों की महिमा के साक्षी कवि किसको बताते हैं?

सूर्य, चंद्र, भूगोल, खगोल को ✓

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) कवि ने किसकी जय बोलने की बात कही है?

उ० कवि देश के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले वीरों की जय बोलने की बात कहते हैं।

ख) क्रांतिकारी गरदन का मोल किए बिना कहाँ चढ़ गए?

उ० पुण्य-वेदी पर अर्थात देश की रक्षा हेतु संघर्ष रूपी वेदी पर।

ग) 'दीप' शब्द का प्रयोग कवि किसके लिए कर रहा है?

उ० क्रांतिकारियों के लिए।

घ) कवि ने दिशाओं द्वारा क्या उगलने की बात कही है?

उ० लू-लपट।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने जय बोलने की बात क्यों कही है?

उ० देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों को सम्मान देने के लिए कवि ने जय बोलने की बात कही है।

ख) 'लिए बिना गरदन का मोल' से कवि का क्या अभिप्राय है?

उ० 'लिए बिना गरदन का मोल' से कवि का अभिप्राय है कि राष्ट्रप्रेमी निःस्वार्थ भाव से देश के लिए बलिदान हो गए।

ग) 'जल-जल कर बुझना' किस दशा को दर्शाता है?

उ० राष्ट्र-रक्षा करते हुए बलिदान दे देना।

घ) कवि ने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों का साक्षी किन्हें माना है?

उ० सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, ब्रह्मांड को कवि ने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों का साक्षी माना है।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

उ० कवि ने इस कविता में भारतमाता के उन सच्चे सपूतों की जय-जयकार की है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने राष्ट्रप्रेम का ऐसा स्वर फूँका कि उनके पीछे-पीछे अनेक देशवासी राष्ट्र-सेवा को तत्पर हो उठे। वर्तमान समय में भी उनके जीवन एवं कार्यों का स्वर गूँज रहा है। अतः प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र-सेवा में जीवन को समर्पित करें।

ख) सूर्य और चंद्रमा किनकी महिमा के साक्षी हैं? विचारपूर्वक लिखिए।

उ॰ सूर्य और चंद्रमा भारतमाता के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले, भारतमाता के लिए जीवन को होम कर देने वाले राष्ट्रप्रेमियों की महिमा के साक्षी हैं।

2. भाव स्पष्ट कीजिए–

क) जला अस्थियाँ बारी–बारी
छिटकाई जिनने चिनगारी,
जो चढ़ गए पुण्य–वेदी पर लिए बिना गरदन का मोल।

उ॰ इन पंक्तियों में कवि ने उन भारतीय वीरों की महिमा का गान किया है, जिन्होंने नि:स्वार्थ भाव से तत्परता के साथ सबसे पहले आगे बढ़कर देश के लिए जीवन का बलिदान दिया और देश भर में राष्ट्र के लिए बलिदानी भाव का स्वर फूँक दिया।

ख) अंधा चकाचौंध का मारा
क्या जाने इतिहास बेचारा?
साखी हैं उनकी महिमा के सूर्य, चंद्र, भूगोल, खगोल।

उ॰ इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने इतिहास पर व्यंग्य करते हुए कहा है कि वह तो शत्रु द्वारा उत्पन्न भ्रम एवं चकाचौंध से भ्रष्ट कर दिया गया है, उसमें राष्ट्रवीरों के बलिदान का सही आकलन नहीं है। उनके राष्ट्रप्रेम की गाथा तो सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, ब्रह्मांड अर्थात सारे संसार में गायी जाती है। भारतीय वीरों के राष्ट्रोत्सर्ग की भावना का साक्षी संपूर्ण संसार है।

भाषा के झरोखे से

1. जला अस्थियाँ बारी–बारी

उपर्युक्त पंक्ति में 'बारी–बारी' में शब्दों की आवृत्ति हुई है। काव्य में समान शब्दों की आवृत्ति से जहाँ चमत्कार या सौंदर्य उत्पन्न हो, वहाँ पुनरुक्ति–प्रकाश अलंकार होता है।

पुन: + उक्ति अर्थात फिर से कहा जाना।

अन्य उदाहरण–

कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
मधुर–मधुर मेरे दीपक जल
कुछ उदाहरण स्वयं लिखिए–
थीं ठौर–ठौर विहार करतीं सुंदर सुर नारियाँ।
जल–जल कर बुझ गए, किसी दिन माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल।

2. विलोम शब्द लिखिए–

क) लघु × दीर्घ
ख) दिन × रात
ग) बुझना × जलना
घ) धरती × आकाश

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्याय चुनने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–

क) सूर्य – सूरज, दिनकर, दिनेश (✓)
ख) दीप – दीप, प्रदीप, दीया (✓)
ग) चंद्र – चाँद, चंद्रमा, मयंक (✓)
घ) धरती – धरा, भूमि, वसुधा (✓)

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए–

क) लाल – लाली
ख) जलना – जलन
ग) गिरना – गिरावट
घ) जीना – जीवन
ङ) चढ़ना – चढ़ाई

2 सयानी बुआ

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) लेखिका व अन्य सदस्य सयानी बुआ के न आने में ही अपनी भलाई क्यों समझते थे?

बुआ के कायदे–कानून अच्छे नहीं लगते थे (✓)

ख) परिवार के सभी सदस्यों पर एक विचित्र आतंक–सा क्यों छाया हुआ था?

सब पर बुआ जी का व्यक्तित्व हावी था (✓)

ग) 'बुआ जी ने अन्नू को खूब प्यार किया, रोईं भी।' इससे पता चलता है कि–

उनकी भयंकर कठोरता में कहीं कोमलता भी छिपी थी (✓)

घ) बुआ जी को अपनी किस बात पर बड़ा गर्व था?

सुव्यवस्था पर (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) पिता जी बुआ जी की बातों के उदाहरण क्यों देते थे?

उ० उनकी बातों में आवश्यकता से अधिक चतुराई होने के कारण।

ख) भाई साहब कौन थे?

उ० सयानी बुआ के पति।

ग) लेखिका को बुआ जी के घर में स्वयं को फिट करने में कष्ट का अनुभव क्यों हुआ?

उ० उनके घर के नीरस और यंत्र–चलित कार्यक्रम के कारण।

घ) लेखिका ने अन्नू की बीमारी का क्या कारण महसूस किया?

उ० सयानी बुआ के घर का वातावरण।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

ऐसी ही सयानी बुआ के पास जाकर पढ़ने का प्रस्ताव जब मेरे सामने रखा गया तो कल्पना कीजिए, मुझपर क्या बीती होगी! मैंने साफ़ इनकार कर दिया कि मुझे आगे पढ़ना ही नहीं। पर पिता जी मेरी पढ़ाई के विषय में इतने सतर्क थे कि उन्होंने समझाकर, डाँटकर और प्यार–दुलार से मुझे राज़ी कर लिया। सच में, राज़ी तो क्या किया, समझिए अपनी इच्छा पूरी करने के लिए बाध्य कर दिया। भगवान का नाम गुहारते–गुहारते मैंने घर से विदा ली और सयानी बुआ के यहाँ पहुँची।

इसमें संदेह नहीं कि बुआ जी ने बड़ा स्वागत किया। पर बचपन से उनकी ख्याति सुनते–सुनते उनके जिस रौद्र रूप ने मन को भयभीत कर रखा था, उसमें उनका वह प्यार कहाँ तिरोहित हो गया, मैं जान ही न पाई।

क) सयानी बुआ के पास जाकर पढ़ने के प्रस्ताव पर लेखिका की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उ० लेखिका ने पढ़ने से इंकार कर दिया।

ख) पिता जी ने लेखिका को जाने के लिए कैसे राज़ी कर लिया?

उ० पिता जी ने लेखिका को समझाकर, डाँटकर और प्यार–दुलार से राज़ी कर लिया।

ग) जाते समय लेखिका की मन:स्थिति बताइए।

उ० लेखिका सयानी बुआ के यहाँ जाना नहीं चाहती थी, पिता जी के कहने पर उसने भगवान का नाम लेते हुए अपने से विदा ली।

घ) लेखिका बुआ जी के रौद्र रूप से भयभीत क्यों थी?

उ० क्योंकि बुआ जी के घर की व्यवस्था और उनके कायदे–कानूनों के बारे में बचपन से ही लेखिका सुनती आ रही थी।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) लेखिका ने बुआ का नामकरण करने वाले को विद्या का पारखी क्यों कहा?

उ॰ क्योंकि उनका नाम सयानी रखा गया था, जो उनके व्यक्तित्व पर पूर्णत: खरा उतरता था।

ख) बुआ अपनी पेंसिल और रबर की सँभाल कैसे करती थीं?

उ॰ जब तक पेंसिल इतनी छोटी न हो जाए कि पकड़ में न आए तब तक वे उससे काम लेती थीं, इसी प्रकार वे एक ही रबड़ को कई कक्षाओं तक काम में लाती थीं।

ग) बुआ जी के घर में कार्य किस ढंग से होता था?

उ॰ बुआ जी के घर में कार्य व्यवस्थित और मशीनी ढंग से होता था।

घ) अन्नू कौन थी? वह अज्ञात भय से क्यों घिरी रहती थी?

उ॰ अन्नू बुआ जी की पाँच-वर्षीय बालिका थी। बुआ जी के अति अनुशासन एवं घर के यंत्र-चलित वातावरण के कारण अन्नू अज्ञात भय से घिरी रहती थी।

ङ) डॉक्टर ने अन्नू के इलाज के लिए क्या सलाह दी?

उ॰ डॉक्टरों ने अन्नू के इलाज के लिए उसे पहाड़ पर ले जाने और उसके मन को प्रसन्न रखने तथा सब कुछ उसके मन के अनुसार करने की सलाह दी।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) सयानी बुआ के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

उ॰ **सयानी बुआ के स्वभाव की विशेषताएँ –**

समय की पाबंद। सामान को सँभालकर रखने में अति प्रवीण।

मितव्ययी। दूसरों पर अपने कायदे-कानून थोपकर उनपर जबरदस्ती अमल करवाना।

घर के प्रत्येक सदस्य पर नियंत्रण रखना, उसके कार्य कलापों पर नज़र रखना।

घर के प्रत्येक कार्य पर पैनी नज़र रखना।

कठोरता के साथ-साथ परिवारजनों के प्रति कोमलता का भाव भी रखना।

ख) बरतनों के प्रति बुआ जी का गहरा लगाव था परंतु अंत में प्याले टूट जाने का समाचार पाकर वे हँस क्यों रही थीं?

उ॰ प्याले टूट जाने का समाचार पाकर भी बुआ जी इसलिए हँस रही थी क्योंकि उन्होंने भाईसाहब के पत्र के प्रथम अनुच्छेद को पढ़कर सोचा था कि अन्नू की मृत्यु हो गई है। पर जब उन्हें पता चला कि वह बात भाईसाहब ने प्याले टूटने के संदर्भ में लिखी है तो वे हँस पड़ी।

ग) भाई साहब व अन्नू की स्थिति घर में कैसी थी? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

उ॰ घर में भाईसाहब की स्थिति पत्नी के नियंत्रित वातावरण में रहने वाले पति के समान थी। जब अन्नू को पहाड़ पर ले जाने की तैयारी प्रारंभ हुई तो प्रत्येक हिदायत देते हुए कहा कि न तो कोई चीज़ खोनी चाहिए और न टूटनी-फूटनी चाहिए। उन्होंने भाईसाहब से कहा–"देखो, यह फ्रॉक मत खो देना, यह प्याले मत तोड़ देना" आदि।

अन्नू भी सदैव एक अज्ञात भय से घिरी रहती थी। जब अन्नू को पहाड़ पर ले जाया जा रहा था तो सयानी बुआ उसके पास आईं और उसे हिदायत देते हुए कहा कि वह किस दिन, किस समय क्या खाएगी, कब कितना घूमेगी, क्या पहनेगी आदि।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

क) उम्र के साथ-साथ उनकी आवश्यकता से अधिक चतुराई भी **प्रौढ़ता** धारण करती गई।

ख) परिवार के सभी सदस्य **पाँच** बजे उठ जाते थे।

ग) घर के इस नीरस और **यंत्र-चलित** कार्यक्रम में अपने-आप को फिट करने में लेखिका को कष्ट उठाना पड़ा।

घ) कल चार बजे तुम्हारे **पचास रुपये** वाले सेट के दोनों प्याले मेरे हाथ से गिरकर टूट गए।

भाषा के झरोखे से

1. **निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य एवं विधेय अलग-अलग करके लिखिए–**

क) मेरे सामने सयानी बुआ के पास जाने का प्रस्ताव था।

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD ©

उद्देश्य – मेरे **विधेय** – सामने बुआ के पास जाने का प्रस्ताव था।

ख) मेरे पिता जी पढ़ाई के विषय में सतर्क थे।

उद्देश्य – मेरे पिता जी **विधेय** – पढ़ाई के विषय में सतर्क थे।

ग) भाई साहब बहुत ही अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे।

उद्देश्य – भाई साहब **विधेय** – बहुत–ही अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे।

घ) अन्नू एकदम पीली पड़ गई थी।

उद्देश्य – अन्नू **विधेय** – एकदम पीली पड़ गई थी।

ङ) नौकर ने भाई साहब का पत्र लाकर दिया।

उद्देश्य – नौकर **विधेय** – ने भाईसाहब को पत्र आकर दिया।

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द चुनकर भरिए–**

क) बाहर जाने को **मेरा** मन नहीं कर रहा है।

मैं मेरा सबका अपना

ख) हर चीज़ रखते समय **वे** भाई साहब को सख्त हिदायत देती थीं।

वे मेरा मेरी अपना

ग) एक मिनट तक **मैं** हत्बुद्धि–सी खड़ी रही।

मेरी मैं सबका अपना

घ) लगता है बाहर **कोई** खड़ा है।

मैं मेरा कोई उससे

ङ) तुम्हें अपना काम **स्वयं** करना चाहिए।

स्वयं उससे अपने से तुम्हें

3. **रेखांकित शब्दों के उचित विलोम शब्दों पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) मुझ जैसे <u>अव्यवस्थित</u> जनों का तो जीना भी <u>दुर्लभ</u> हो जाएगा।

कुव्यवस्थित, सुलभ (✓)

ख) किस मुँह से यह <u>दुखद</u> समाचार तुम्हें सुनाऊँ।

सुखद (✓)

ग) एक <u>अज्ञात</u> भय से वह घिरी थी।

ज्ञात (✓)

घ) उन्हें बड़ा गर्व था अपनी इस <u>सुव्यवस्था</u> पर।

कुव्यवस्था (✓)

3 मंतर

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) मिस्टर शंकराचार्य की शैक्षणिक योग्यता क्या थी?

एम॰ ए॰, एल॰ एल॰ बी॰ (✓)

ख) राम छड़ी से किसकी तलवारबाज़ी की नकल किया करता था?

डगलस फ़ेयर बैंक यानी बगदादी चोर (✓)

ग) राम और उसके पिता किस रेलगाड़ी से पूना जा रहे थे?

डैकन क्वीन से (✓)

घ) मिस्टर शंकराचार्य के मन में राम को गाड़ी से उठाकर फेंकने की बात क्यों आई?

राम ने मिस्टर शंकराचार्य के ज़रूरी कागज़ात बाहर फेंक दिए थे (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) राम अपनी बगल में क्या रखता था?

उ॰ छुरी

ख) राम के पिता का व्यवसाय क्या था?

उ॰ वकालत

ग) मिस्टर शंकराचार्य राम को पूना क्यों ले गए?

उ॰ उनकी बहन राम को देखने के लिए बेकरार थी।

घ) राम शरारत न करने की शर्त को कब तक निभा सका?

उ॰ बोरी बंदर स्टेशन तक।

ङ) राम की माता जी क्या शिकायत लेकर उसके पिता के पास गईं?

उ॰ उसके द्वारा दो कच्चे टमाटर खाने की शिकायत लेकर।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

जब राम की माँ उसे पिता मिस्टर शंकराचार्य के सामने लाईं तो वे आरामकुर्सी पर जमकर बैठ गए कि उस नालायक के कान खींचें, हालाँकि वे उसके कान खींच-खींचकर थक चुके थे पर उसकी शरारतों में कोई फ़र्क न आने पाया था। वे अदालत में कानून के बल पर बहुत कुछ कर लेते थे, पर यहाँ उस छोटे-से बच्चे के सामने उनकी कोई पेश न चलती थी।

एक बार मिस्टर शंकराचार्य ने किसी शरारत पर उसको परमेश्वर के नाम से डराने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था, "देख राम, तू अच्छा लड़का बन जा, नहीं तो मुझे डर है, परमेश्वर तुझसे नाराज़ हो जाएँगे।"

क) राम को मिस्टर शंकराचार्य के सामने कौन लाया?

उ॰ राम को मिस्टर शंकराचार्य के सामने राम की माँ लाई।

ख) मिस्टर शंकराचार्य आरामकुर्सी पर जमकर क्यों बैठ गए?

उ॰ राम के कान खींचने के लिए मिस्टर शंकराचार्य आरामकुर्सी पर जमकर बैठ गए।

ग) राम के सामने शंकराचार्य जी बेबस-से क्यों हो जाते थे?

उ॰ राम के सवाल-जवाब सुनकर शंकराचार्य जी बेबस से हो जाते थे।

घ) विशेषण बनाइए–

उ॰ शरारत – शरारती, बल – बलशाली।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) राम की शिकायत सुनने के बाद मिस्टर शंकराचार्य की क्या प्रतिक्रिया थी?

उ॰ राम के कान खींचने के लिए वे आरामकुर्सी पर जमकर बैठ गए।

ख) राम ने किस तरह सिद्ध किया कि टमाटर खाकर उसने कोई चोरी नहीं की?

उ॰ राम ने कहा कि टमाटर तो हमारे अपने हैं। इन्हें तो मेरी माँ लाई थी। फिर अपने टमाटर खाने में कैसी चोरी!

ग) मिस्टर शंकराचार्य को पूना क्यों जाना पड़ा? वे राम को भी अपने साथ क्यों ले गए?

उ॰ शंकराचार्य को एक खास काम से पूना जाना पड़ा। पूना में उनकी बड़ी बहन रहती थीं। वे राम को देखने के लिए बेकरार थीं, इसीलिए शंकराचार्य राम को अपने साथ ले गए।

घ) राम बार-बार रेलगाड़ी की खिड़की से बाहर क्यों झाँकता था?

उ॰ राम को खिड़की से बाहर झाँकने में आनंद आ रहा था। वह सोच रहा था कि अगर हवा उसे ले उड़े तो कितना मज़ा आएगा।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) कहानी के आधार पर राम के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

उ॰ राम शरारती, बुद्धिमान, चतुर आयु से अधिक समझदार, वाक्पटु, हाजिर जवाब और तर्कपूर्ण बातें करने वाला बालक है।

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

ख) मिस्टर शंकराचार्य ने राम की टोपी क्यों छिपाई? इसपर राम की क्या प्रतिक्रिया हुई और उसने किस प्रकार टोपी वापस प्राप्त की?

उ० मिस्टर शंकराचार्य ने राम की टोपी इसलिए छिपाई ताकि टोपी रेलगाड़ी की खिड़की से न उड़ जाए। शंकराचार्य द्वारा टोपी छिपाने पर राम ने सोचा कि वह हवा में उड़ गई है, वह दुखी हो उठा। उसकी आँखों में आँसू आ गए। जब शंकराचार्य ने डाँटा तो वह रोने लगा। शंकराचार्य ने टोपी वापस पाने को राम से आँखें बंद करने को कहा। राम ने आँखें बंद कीं तो उन्होंने झूठ-मूठ मंत्र पढ़ते हुए सीट के नीचे से टोपी उठाकर राम की गोद में डाल दी। इस तरह राम को उसकी टोपी वापस मिल गई।

ग) राम द्वारा कागज़ बाहर फेंक देने पर मिस्टर शंकराचार्य की क्या दशा हुई?

उ० राम द्वारा कागज़ बाहर फेंक देने पर मिस्टर शंकराचार्य की आँखों के सामने अँधेरा छा गया। उन्हें लगा जैसे उनकी अपनी बाज़ी अपनी ही चाल से मात हो गई। उनके मुँह में कड़वाहट सी पैदा हो गई। उनके मन में आया कि कागज़ों की तरह राम को भी उठाकर गाड़ी से बाहर फेंक दें।

3. **किसने किससे कहा?**

कथन	किसने कहा	किससे कहा
क) ये परमेश्वर कौन हैं?	राम ने	मिस्टर शंकराचार्य से
ख) इसने जीना दूभर कर रखा है।	राम की माँ ने	मिस्टर शंकराचार्य से
ग) मेरे पास आ और जो कुछ मैं तुझसे पूछूँ, सच-सच बता।	मिस्टर शंकराचार्य ने	राम से
घ) इसे उतारकर रख ले नालायक, हवा इसे उड़ा ले जाएगी।	मिस्टर शंकराचार्य ने	राम से
ङ) आप आँखें बंद कर लीजिए। मैं मंत्र पढ़ता हूँ।	राम ने	मिस्टर शंकराचार्य से

भाषा के झरोखे से

1. **इस कहानी से विदेशी शब्द छाँटकर लिखिए–**

उ० लिहाज़, शोखी, ज़हीन, मिस्टर, मिसेज़
नालायक, फ़र्क, नाराज़, जवाब, डिग्री

2. **निम्नलिखित मुहावरों व लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–**

क) मुँह में राम बगल में छुरी – सज्जन बना कपटी व्यक्ति।
घंटों पूजा-पाठ में लीन रहने वाले पं. मोटेराम के मुँह में राम बगल में छुरी है।

ख) मारे-मारे फिरना – इधर-उधर भटकना।
देवेश एम. बी. ए. करने के बाद भी नौकरी पाने के लिए मारे मारे फिर रहा है।

ग) टाँग अड़ाना – अड़चन डालना।
पटवारी के टाँग अड़ाने के कारण मेरा मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं बन पाया।

घ) नाक काटना – बेइज़्ज़ती करना
संजना ने सरे राह मुझ पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाकर मेरी नाक काट दी।

3. कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से मिलते-जुलते लगते हैं, पर वास्तव में उनमें सूक्ष्म अंतर होता है। नीचे ऐसे ही कुछ शब्द दिए जा रहे हैं। इनके अर्थ का अंतर स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए–

क) अभियुक्त-अपराधी

अभियुक्त– जिस पर मुकदमा या अभियोग चलाया गया हो।

प्रयोग– जज ने कहा कि अभियुक्त को अदालत में पेश किया जाए।

अपराधी– सामाजिक नियमों/कानूनों का उल्लंघन करने वाला।

प्रयोग– पुलिस बम कांड के मुख्य अपराधी को पकड़ने के लिए सक्रिय है।

ख) खेद-दुख

खेद– अपनी गलती पर दुखी होना।

प्रयोग– मुझे खेद है कि मैं आपके कार्यक्रम में न उपस्थित हो सका।

दुख– किस प्रिय व्यक्ति/वस्तु के खोने का दुख।

प्रयोग– गांधी जी के देहांत पर संपूर्ण भारत दुख से रो पड़ा।

ग) स्वाभिमान-अभिमान

स्वाभिमान– आत्मसम्मान

प्रयोग– हमें किसी भी कीमत पर अपने स्वाभिमान की रक्षा करनी चाहिए।

अभिमान– स्वयं को बड़ा समझना।

प्रयोग– श्रीराम ने रावण का अभिमान चूर-चूर कर दिया।

घ) सहमति-स्वीकृति

सहमति– किसी मत का समर्थन प्रकट करना।

प्रयोग– हम इस कार्य को बड़ों की सहमति से ही करेंगे।

स्वीकृति– किसी प्रस्ताव पर स्वीकृति देना।

प्रयोग– मेट्रो रेल परियोजना को उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकृति दे दी है।

ङ) अद्‌भुत-अजीब

अद्‌भुत– आश्चर्यजनक

प्रयोग– शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रोशनी में नहाया हुआ ताजमहल बड़ा ही अद्‌भुत दिखाई देता है।

च) वाक्य-पंक्ति

वाक्य– शब्दों का सार्थक समूह।

प्रयोग– 'राष्ट्रप्रेम' पर पाँच वाक्य लिखिए।

पंक्ति– कतार।

प्रयोग– रेल-आरक्षण काउंटर पर लोगों की लंबी पंक्ति देख में वापस आ गया।

छ) शांति-सन्नाटा

शांति– नि:शब्दता, चैन

प्रयोग– कभी-कभी शांति से बैठकर प्रभु का स्मरण भी कर लिया करें।

सन्नाटा– चुप्पी, मौन

प्रयोग– जब मैंने हवेली में प्रवेश किया तो चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था।

ज) अंक-संख्या

अंक– संख्या का चिह्न

प्रयोग– प्रखर को कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त हुए।

संख्या– गिनती

प्रयोग– इलाहाबाद महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में लोगों ने गंगा स्नान किया।

4. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

क) भगवान	–	ईश्वर	परमात्मा
ख) पेड़	–	वृक्ष	तरु
ग) हवा	–	वायु	अनिल
घ) आँख	–	नेत्र	नयन

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

4 ज़िंदगी का स्पर्श देती माँ

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) माँ के स्पर्श से लेखिका को कैसा अनुभव हुआ?
उनके भीतर एक प्रकाश पुंज उतर गया ✓

ख) लेखिका जब मदर टेरेसा से मिलीं तब उनकी उम्र कितनी थी?
23–24 वर्ष ✓

ग) माँ हर बच्चे का हाल–चाल सेवारत कर्मियों से कैसे पूछती थीं?
एक चिकित्सक की तरह ✓

घ) "आर यू माई मदर?" किसने, किससे कहा?
लेखिका ने मदर टेरेसा से ✓

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) माँ के स्पर्श और काम को लेखिका ने किसके समान माना है?
उ॰ प्रकाश पुंज के समान

ख) जीवन की बेहद कड़वी सच्चाइयों के बीच भी कौन निराश नहीं हुईं?
उ॰ मदर टेरेसा

ग) माँ से मिलने पर लेखिका को कैसा अनुभव हुआ?
उ॰ माँ से मिलने पर लेखिका को लगा कि जैसे माँ ने उसे आत्मसात कर लिया है।

घ) निराशा किस कारण माँ के पास नहीं आ पाती थी?
उ॰ माँ की कर्मठता के कारण।

ङ) बीमार और लाचार लोगों के लिए सबसे बड़ी संजीवनी क्या थी?
उ॰ माँ और माँ के साथियों का अपनापन

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

मैं कहीं खो–सी गई। 'बस जा रही है, बस जा रही है' की आवाज़ ने मेरी तंद्रा तोड़ी। बच्चे के नेह–बंध को न तोड़ पाई। माँ जो समय की बेहद पाबंद थीं, सब कुछ समझ गईं। रुकी रहीं, पाँच–छह मिनट...। किसी तरह उस अहाते से बाहर आने में सफल रही पर...।

बस अपनी घरघराहट के साथ चल पड़ी। माँ वक्त मिलते ही अपने हाथ में नाम स्मरण की माला थाम भक्ति में लीन हो जातीं। उनका पूरा जीवन भक्ति ही तो था।

क) गद्यांश में 'मैं' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
उ॰ लेखिका के लिए।

ख) बच्चे का नेह–बंध क्यों नहीं टूट पाया?
उ॰ वात्सल्य एवं मातृत्व भाव के कारण।

ग) माँ की कौन–सी विशेषता उपर्युक्त गद्यांश में बताई गई है?
उ॰ समय की पाबंद और भक्ति–भावना।

घ) माँ ने इंतज़ार क्यों किया?
उ॰ क्योंकि लेखिका ने एक बच्चे को सीने से लगा रखा था।

ङ) वक्त मिलते ही माँ क्या किया करती थीं?
उ॰ प्रभु के स्मरण की माला लेकर भक्ति में लीन हो जाती थी।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न

क) लेखिका किस काम के लिए मदर टेरेसा से मिलने गई थीं? कितना समय निश्चित था और कितना समय लगा?

उ॰ लेखिका मदर टेरेसा का साक्षात्कार लेने उनसे मिलने गई थी। साक्षात्कार के लिए पंद्रह मिनट का समय निश्चित था, पर उसमें एक घंटे का समय लगा।

ख) लेखिका ने माँ के देखने, विचारने और महसूस करने को किसके समान माना है और क्यों?

उ॰ लेखिका ने माँ को ईश्वर के समान माना है। क्योंकि वे सभी से प्रेम करती थीं, सभी के दुख दूर करने में लगी रहती थी।

ग) 'उसके बाद तो जब नहीं मिली, तब भी मिलती रही।' आशय स्पष्ट कीजिए।

उ॰ इस पंक्ति का आशय यह है कि आमतौर पर किसी से मिलने उसकी स्मृति हमारे मन से धूमिल सी हो जाती है, पर मदर टेरेसा के संबंध में लेखिका के साथ ऐसा नहीं हुआ, उनकी स्मृति लेखिका के मन में सदा बनी रही क्योंकि उनका व्यक्तित्व ईश्वरीय था।

घ) गंभीर सवाल पूछने पर माँ ने लेखिका को क्या-क्या जवाब दिया?

उ॰ तुम अभी छोटी हो।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) माँ की निकटता के प्रभाव का वर्णन लेखिका ने किन शब्दों में किया है?

उ॰ लेखिका पर माँ की निकटता का प्रभाव ऐसा था जैसे माँ ने लेखिका को आत्मसात कर लिया हो। लेखिका को माँ से लिपटकर अलौकिक अनुभूति हुई। लेखिका को माँ का स्पर्श साधुत्व की गरिमा से संपन्न महसूस हुआ और उसे लगा जैसे उसके भीतर एक प्रकाश पुंज उतर गया हो।

ख) 'उनकी मुसकान सुनाई देती है, सुनाई देती रहेगी मेरे-तुम्हारे बाद भी। सुनने वाले भी न खत्म होंगे, न कम!'
लेखिका के कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उ॰ लेखिका के इस कथन का आशय यह है कि मदर टेरेसा ने असहाय, बीमार, लाचार, कुष्ठरोगियों जैसे परित्यक्तों के जीवन में जो मुसकान भरी है, उनकी सेवा का जो अलख जगाया है वह सदा-सदा बना रहेगा। मदर टेरेसा के इस कार्य की महिमा चिरकाल तक गायी जाती रहेगी।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

क) माँ को **सुकून** की एक बूँद कहें तो भी उनके संपूर्ण का बहुत कुछ अनकहा रह जाएगा।

ख) एक ऐसी औरत जिसके **चेहरे की झुर्रियों** में चुपचाप बहता रहा जीवन।

ग) **अनाथालय जिस** के लंबे हॉल में लोहे के छोटे-छोटे बहुत-से पालने दोनों ओर लगे थे।

घ) उनके अस्तित्व से जैसे संगीत के **असंख्य झरने** फूटते।

ङ) माँ की **संगिनियाँ** उनका अनुसरण करतीं।

भाषा के झरोखे से

1. **नीचे लिखे विकल्पों में विशेषण-विशेष्य (जोड़ों) पर निशान लगाइए–**

क) माँ से लिपटकर मुझे अलौकिक अनुभूति हुई।
अलौकिक अनुभूति (✓)

ख) माँ का कोमल स्पर्श गहराई तक छू जाता था।
कोमल स्पर्श (✓)

ग) मैं तेज़ कदमों से चलती माँ के पीछे चलने लगी।
तेज़ कदमों (✓)

घ) उनका पवित्र हृदय ममता से भरा था।
पवित्र हृदय (✓)

2. **निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द चुनिए और मिलान कीजिए–**

क) जानने की इच्छा	अनाथ
ख) जिसके माता–पिता न हों	असहाय
ग) जिसका कोई सहायक न हो	जिज्ञासा
घ) जो कभी न मरता हो	अतुलनीय
ङ) जिसकी तुलना न की जा सके	कष्टसाध्य
च) जो कार्य कष्ट से साध्य हो	अमर

3. **'पन', 'ता' और 'इत' प्रत्यय के योग से बने अनेक शब्द इस संस्मरण में आए हैं। उन्हें छाँटकर मूल शब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए–**

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
क) कर्मठता	कर्मठ	ता
ख) पीड़ित	पीड़ा	इत
ग) कोमलता	कोमल	ता
घ) अपनापन	अपना	पन
ङ) केंद्रित	केंद्र	इत

6 अपनी बिटिया के लिए

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) घंटियों की आवाज़ होती जा रही है–

धीमी ✓

ख) गुड्डे की ज़रदारी टोपी पड़ी है–

नीचे ✓

ग) तेरे साथ थककर सोई थी–

तेरी सहेली ✓

घ) बिटिया ने छोड़े थे–

गैस के गुब्बारे ✓

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) कवि ने सितारों को क्या कहा है?

उ॰ गैस के गुब्बारे

ख) कवि ने तस्वीरों की किताब किसे कहा है?

उ॰ एलबम को

ग) पेड़ों के क्या बजने लगे?

उ॰ झुनझुने

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) कवि ने सितारों को गैस के गुब्बारे क्यों कहा है?

उ॰ क्योंकि वे सुबह होने पर गैस के गुब्बारों की तरह कोमल हो गए।

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

ख) बिटिया ने गुड्डे-गुड़िया को कैसे सुलाया?

उ० थपकियाँ देकर

ग) सूरज की लाल गेंद कैसे आ रही है?

उ० लुढ़कती

घ) हवा ने तस्वीरों की किताब को कैसे छुआ?

उ० गीलें हाथों से

ङ) बूढ़े आसमान की लाठी में क्या बँधा था?

उ० गुब्बारे, चर्खियाँ, ऐनकें, भोंपू

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) कवि ने प्रकृति की उपमा बिटिया के किन खिलौनों से की है?

उ० कवि ने प्रकृति की उपमा झुनझुने गेंद, गुब्बारे, फिरकी, गुड्डे-गुडिया, चर्खियाँ, ऐनकें, भोंपू आदि खिलौनों से की है।

ख) कविता के आधार पर सुबह होने पर क्या-क्या परिवर्तन देखने में आते हैं?

उ० कवि के अनुसार सुबह होने पर लाल गेंद जैसा सूरज निकल आता है। तारे छिप जाते हैं, चाँद बहुत हल्का दिखाई देता है। रेत के टीले चमकने लगते हैं, नदी की धारा झिलमिलाने लगती है। हवा नम होती है और धीरे-धीरे चारों और प्रातःकाल की छटा फैल जाती है।

ग) सुबह का परिवर्तन किसका प्रतीक है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ० सुबह का परिवर्तन आलस्य त्यागकर जाग्रत होने का प्रतीक है। कवि के अनुसार प्रकृति के सारे तत्व सुबह होने पर नव-परिवर्तन हेतु क्रियाशील हो उठते हैं। इसलिए हमें भी आलस्य छोड़ जाग जाना चाहिए।

2. भाव स्पष्ट कीजिए–

क) तूने जो नचाई थी फिरकी;
चाँद, देख! अब गिरा, अब गिरा।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।

उ० कवि कहता है कि बिटिया तेरी फिरकी की तरह रातभर नाचता चाँद भी अब अपना सफर तय कर चुका है। तू भी जाग जा, सुबह हो गई है बेटी अब सोने का समय नहीं है, उठ जा।

ख) तेरे साथ थककर
सोई थी जो तेरी सहेली हवा
जाने किस झरने में नहाकर आ गई है।

उ० कवि कहता है कि बेटी कल रात जो हवा तेरी सहेली की तरह तेरे साथ खेलते-खेलते थककर सो गई थी वो भी उठ गई है और उसकी नमी को देखकर लगता है जैसे वह किसी झरने में नहाकर आ गई है। सुबह हो गई है बेटी, अब तू भी उठ जा।

भाषा के झरोखे से

1. निम्नलिखित में कारक-चिह्न रेखांकित कीजिए तथा कारक का भेद बताइए–

क) सूरज की लाल गेंद	–	संबंध कारक
ख) गीले हाथों से छू रही है तेरी	–	करण कारक
ग) तसवीरों की किताब	–	संबंध कारक
घ) घंटियों की आवाज़	–	संबंध कारक
ङ) उसकी लाठी में बँधे रंग-बिरंगे गुब्बारे	–	अधिकरण कारक

2. निम्नलिखित पर्यायवाची शब्दों के सही विकल्प चुनिए–

क) हवा	–	अनिल, समीर, वायु
ख) बेटी	–	सुता, अंशजा, पुत्री
ग) तालाब	–	सरोवर, ताल, जलाशय
घ) आकाश	–	नभ, अंबर, गगन

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

3. **रिक्त स्थानों में सार्वनामिक विशेषण भरिए–**

क) उठ **मेरी** बेटी सुबह हो गई।

ख) चूनर **तेरी** गुड़िया की।

ग) गीली हो गई **तेरी** तसवीर।

घ) सोई थी जो **तेरी** सहेली हवा।

4. **वर्ण-विच्छेद कीजिए–**

क) गुब्बारे	–	ग् + उ + ब् + ब् + आ + र् + ए	✓
ख) तलैया	–	त् + अ + ल् + ऐ + य् + आ	✓
ग) ऐनकें	–	ऐ + न् + अ + क् + ऐं	✓
घ) चर्खियाँ	–	च् + अ + र् + ख् + इ + य् + आँ	✓
ङ) थपकियाँ	–	थ् + अ + प् + अ + क् + इ + य् + आँ	✓

7 मेरी साहसिक यात्रा

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) रॉबिंसन को किसने अपना दास बनाया?

डाकुओं के सरदार ने ✓

ख) रॉबिंसन ने टोकरियाँ क्यों बनाई?

अनाज रखने के लिए ✓

ग) रॉबिंसन ने फ्राइडे को खाने के लिए क्या दिया?

रोटी और सूखे अंगूर ✓

घ) फ्राइडे ने रॉबिंसन का पैर अपने सिर पर क्यों रख लिया?

वफ़ादारी प्रकट करने के लिए ✓

ङ) रॉबिंसन द्वीप पर कितने वर्ष तक रहा?

अट्ठाईस वर्ष ✓

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) लेखक का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उ॰ लेखक का जन्म सन् 1622 में यार्क नगर में हुआ था।

ख) रॉबिंसन क्रूसो गुयाना किसके साथ गया?

उ॰ रॉबिंसन क्रूसो एक जहाज़ के मालिक के साथ गुयाना गया।

ग) जहाज़ के कप्तान की मृत्यु कब हुई?

उ॰ गुयाना की यात्रा से लौटने के बाद जहाज़ के कप्तान की मृत्यु हुई।

घ) रॉबिंसन को मछलियाँ पकड़ने समुद्र में क्यों जाना पड़ता था?

उ॰ रॉबिंसन को मालिक के लिए मछलियाँ पकड़ने समुद्र में जाना पड़ता था।

ङ) रॉबिंसन ने द्वीप पर कितना समय बिताया?

उ॰ रॉबिंसन ने द्वीप पर अट्ठाईस वर्ष बिताए।

3. **सही कथन के लिए (✓) और गलत कथन के लिए (✗) का चिह्न लगाइए–**

क) रॉबिंसन क्रूसो ब्राज़ील में चार वर्ष तक रहा। ✓

ख) फ्राइडे ने मिट्टी से बहुत-से बरतन बनाए और उन्हें आग में पका लिया। ✗

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

ग) विद्रोहियों ने जहाज़ के कप्तान व दो अन्य व्यक्तियों को बंदी बना रखा था। (✓)

घ) जहाज़ से दो बिल्लियाँ और दो कुत्ते रॉबिंसन के साथ टापू पर आ गए थे। (×)

ङ) फ्राइडे दूरबीन लेकर पहाड़ी पर पहुँचा। (×)

लिखित प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मुझे द्वीप पर आए तेरह दिन बीत चुके थे। हमारा जहाज़ अब दिखाई नहीं दे रहा था। शायद कहीं बह गया था। मेरी सबसे बड़ी चिंता नर-भक्षियों और खतरनाक जानवरों से अपनी रक्षा करने की थी। मैंने अपने रहने के लिए तंबू और गुफा दोनों का प्रबंध कर लिया था। अपने निवास के आगे लकड़ी के खूँटों और तारों की एक मज़बूत दीवार-सी बना ली थी। मैंने दरवाज़ा नहीं बनाया था। एक सीढ़ी रखी थी। दीवार लाँघने के बाद मैं सीढ़ी उठा लेता था।

अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

क) रॉबिंसन का जहाज़ दिखाई क्यों नहीं दे रहा था?

उ० बह जाने के कारण रॉबिंसन का जहाज़ दिखाई नहीं दे रहा था।

ख) रॉबिंसन की चिंता का कारण क्या था?

उ० नर-भक्षी और खतरनाक जानवर रॉबिंसन की चिंता का कारण थे।

ग) रॉबिंसन ने रहने के लिए क्या प्रबंध किया?

उ० रॉबिंसन ने रहने के लिए तंबू और गुफा का प्रबंध किया।

घ) रॉबिंसन ने दरवाज़ा क्यों नहीं बनाया था?

उ० रहने की जगह के चारों ओर लकड़ी के खूँटों और तारों की एक मज़बूत दीवार बना लेने पर रॉबिंसन को दरवाज़ा बनाने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई।

ङ) 'निवास' में प्रयुक्त मूल शब्द व उपसर्ग पृथक कीजिए।

उ० उपसर्ग– 'नि', मूलशब्द – 'वास'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

लघूत्तरीय प्रश्न—

क) समुद्री डाकुओं के हमले का क्या दुष्परिणाम हुआ?

उ० रॉबिंसन के कई साथी मारे गए। जो जीवित बचे उन्हें बंदी बना लिया गया। रॉबिंसन को डाकुओं के सरदार ने अपना दास बना लिया।

ख) रॉबिंसन ने दूसरी बार गुयाना जाने का फ़ैसला क्यों किया? गुयाना की यात्रा के समय उसे किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा?

उ० रॉबिंसन को लगता था कि जैसे उसे समुद्र बार-बार बुला रहा है। गुयाना की यात्रा के समय जहाज़ समुद्री तूफान में फँस गया। रॉबिंसन और उसके साथियों का जीवन खतरे में पड़ गया। जहाज़ में पानी भरने लगा। कुछ लोगों की मृत्यु हो गई। हवा द्वारा पश्चिम की ओर धकेलने से जहाज़ समुद्री रेत में फँस गया।

ग) 'कोई बड़ी ताकत मुझे किनारे की ओर ले आई।' रॉबिंसन ने ऐसा क्यों कहा?

उ० रॉबिंसन की नाव को एक भयंकर लहर ने उलट दिया था और वह इस लहर के नीचे दब-सा गया था, पर सौभाग्य से रॉबिंसन किनारे आ लगा। इसलिए रॉबिंसन ने ऐसा कहा।

घ) फ्राइडे कौन था? रॉबिंसन ने उसकी सहायता किस प्रकार की?

उ० फ्राइडे जंगलियों का कैदी था। रॉबिंसन ने उसे जंगलियों से बचाया। उसके रहने-खाने का प्रबंध किया।

ङ) अपनी जान खतरे में डालकर भी रॉबिंसन ने फ्राइडे व इंग्लैंड के कप्तान की सहायता क्यों की?

उ० रॉबिंसन ने अपनी जान खतरे में डालकर भी फ्राइडे और इंग्लैंड के कप्तान की सहायता इसलिए की क्योंकि फ्राइडे उसका साथी बन चुका था और कप्तान ने रॉबिंसन की यह बात स्वीकार ली थी कि वह उसे और फ्राइडे को इंग्लैंड वापिस ले जाएगा।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए—

क) रॉबिंसन ने इंग्लैंड के जहाज़ के कप्तान की सहायता किस प्रकार की?

उ० रॉबिंसन ने कप्तान और उसके दो साथियों को विद्रोहियों से लड़ने के लिए हथियार दिए। फ्राइडे के साथ मिलकर विद्रोहियों पर

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

हमला कर दिया। हमले से विद्रोही परेशान हो गए। उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया और अपनी पराजय स्वीकार कर ली।

ख) 'कहीं ये दैत्य के पाँवों के निशान न हों।' आशय स्पष्ट कीजिए।

उ॰ यात्रा के समय रॉबिंसन का जहाज़ समुद्री रेत में फँस गया था और नाव भी उलट गई थी। उसे भाग्य से एक लहर ने तट पर पहुँचा दिया। वह एक सुनसान तट था। वह एक द्वीप था। वहाँ कोई भी मनुष्य नहीं था। नरभक्षी और खतरनाक जानवर ही थे। रॉबिंसन वहाँ तंबू और गुफा बनाकर रहने लगा। एक दिन उसे द्वीप पर किसी व्यक्ति के पाँवों के निशान दिखाई दिए तो वह डर गया और उसने सोचा कि अगर ये दैत्य के पाँवों के निशान हुए तो कहीं दैत्य उसे मारकर खा न जाए। पाँवों के निशान देखकर वह बहुत डर गया था।

ग) पाठ के आधार पर रॉबिंसन के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

उ॰ रॉबिंसन के स्वभाव की विशेषताएँ–

रॉबिंसन साहसी व्यक्ति था। उसने समुद्री डाकुओं का साहस के साथ सामना किया। उसमें प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीने की राह निकालने की योग्यता थी। निर्जन द्वीप पर पहुँचने के बाद रॉबिंसन ने जहाज़ पर जाकर खाने का सामान इकट्ठा किया और लट्ठों-तख्तों को जोड़कर एक नाव बनाई तथा उस पर खाने का सामान, औज़ार, हथियार और कपड़े लादकर द्वीप पर ले आया। अपने रहने के लिए तंबू और गुफा का प्रबंध किया। उसने अनाज रखने की टोकरियाँ बनाईं, मिट्टी के बर्तन बनाए, बकरियाँ पालीं।

रॉबिंसन में दया एवं करुणा की भावना भी थी। उसने जंगलियों से फ्राइडे की रक्षा की और उसके खाने-पीने व रहने का प्रबंध किया।

वह श्रेष्ठ सहयोगी एवं योद्धा था। उसने जहाज़ के कप्तान और उसके दो सहयोगियों को विद्रोहियों से मुक्त करवाया और विद्रोहियों को पराजित किया।

भाषा के झरोखे से

1. इस पाठ से पाँच-पाँच अकर्मक-सकर्मक क्रिया वाले वाक्य छाँटकर लिखिए–

अकर्मक क्रिया

क) मैं बुरी तरह डर रहा था।

ख) मैं किनारे पर पहुँचा।

ग) सातों व्यक्ति आगे बढ़ रहे थे।

घ) जहाज़ उन द्वीपों की ओर बढ़ रहा था।

ङ) कैदी मौका पाकर वहाँ से भाग निकला।

सकर्मक क्रिया

क) मुझे डाकुओं के सरदार ने अपना दास बना लिया।

ख) जहाज़ में पानी भरने लगा।

ग) मैं एक चिड़िया पर गोली चला दी।

घ) यहाँ नर-भक्षियों ने आग जलाई थी।

ङ) कप्तान ने सात बार गोली चलाकर संकेत दिया।

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

क) हमारा जहाज़ एक सौ बीस टन की था।

हमारा जहाज़ एक सौ बीस टन का था।

ख) एक दिन में मछलियाँ पकड़ने के बहाने समुद्र में दूर निकला गया।

एक दिन मैं मछलियाँ पकड़ने के बहाने समुद्र में दूर निकल गया।

ग) हमारे को अपनी जान बचाने की फ़िक्र हो रही थी।

हमें अपनी जान बचाने की फ़िक्र हो रही थी।

घ) जहाज़ से दो बिल्ली और एक कुत्ते मुझे साथ इस टापू पर आ गए।

जहाज़ से दो बिल्लियाँ और एक कुत्ता मेरे साथ इस टापू पर आ गए।

ङ) यह मुझके प्रति उसका वफ़ादारी का सबूत था।

यह मेरे प्रति उसका वफ़ादारी का सबूत था।

3. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

क) 'अनजान' का मूल शब्द है–

जान ✓

ख) समुद्र के पर्यायवाची शब्द हैं–
सागर, सिंधु, जलधि (✓)

ग) 'कृतज्ञ' का विलोम है–
कृतघ्न (✓)

घ) 'टोकरी' का बहुवचन है–
टोकरियाँ (✓)

8 जलपुरुष : राजेंद्र सिंह

मौखिक प्रश्न

1. सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

क) अखरी नदी को जिलाने वाले लोगों ने उसके संरक्षण के लिए किसका गठन किया?
अखरी संसद का (✓)

ख) राजेंद्र सिंह को कौन-सा पुरस्कार प्रदान किया गया?
मैगसेसे पुरस्कार (✓)

ग) जल-क्रांति के लिए राजेंद्र सिंह ने किनकी सहायता ली?
किशोरी और गोपालपुरा गाँव के अनुभवी लोगों की (✓)

घ) गुजरात में जल संरक्षण के लिए किस तकनीक की सहायता ली जा रही है?
वैज्ञानिक तकनीक (✓)

ख) इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

क) राजस्थान की जल-क्रांति कितने वर्षों की मेहनत का फल है?
उ० राजस्थान की जल-क्रांति पंद्रह वर्षों की मेहनत का फल है?

ख) जल-क्रांति को संभव बनाने में केंद्रीय भूमिका किसकी रहीं।
उ० जल-क्रांति को संभव बनाने में केंद्रीय भूमिका राजेंद्र सिंह की रही।

ग) बाहरी व्यक्ति को मछली मारते हुए पकड़े जाने पर उसपर कितने रुपये का जुर्माना हो सकता है?
उ० बाहरी व्यक्ति को मछली मारते हुए पकड़े जाने पर उसपर 11 से 1100 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है?

घ) अभियान पर कार्य की शुरुआत सर्वप्रथम कहाँ से हुई?
उ० अभियान पर कार्य की शुरुआत सर्वप्रथम गोपालपुरा गाँव के जोहड़ से हुई।

ङ) गाँव के लोग पढ़ाई से पहले क्या चाहते थे?
उ० गाँव के लोग पढ़ाई से पहले पानी चाहते थे?

(ग) सही कथन के लिए (✓) और गलत कथन के लिए (×) का चिह्न लगाइए–

क) राजस्थान की धरती ग्रीष्म ऋतु आते ही अकाल और सूखे की चपेट में आ जाती है। (✓)
ख) अखरी संसद के कई अधिवेशन हो चुके हैं। (✓)
ग) राजेंद्र सिंह 1980 में राजस्थान के अलवर ज़िले के किशोरी गाँव पहुँचे थे। (×)
घ) छोटे-छोटे बाँध और टंकियाँ बनाकर पानी को रोकने का प्रयास किया गया। (×)
ङ) काम की शुरुआत गोपालपुरा गाँव के जोहड़ से हुई। (✓)

लिखित प्रश्न

(क) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जब अखरी सहित अन्य नदियाँ सूख चुकी थीं, तो इन्हें पुनर्जीवित करने के लिए प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। पर जब लोगों की लगन

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

और मेहनत से इनमें पानी बहने लगा, तो स्थानीय प्रशासन ने भी लाभ उठाना चाहा और एक ठेकेदार को अखरी में मछली मारने का ठेका दे दिया। जब ठेकेदार अपने दल के साथ हमीरपुर गाँव पहुँचा तो सभी गाँववालों ने एक स्वर में उसका विरोध किया। तब गाँववालों ने ठेकेदार को अखरी संसद के बारे में बताया। साथ ही नियम भी बताए। ठेकेदार के पास चुपचाप चले जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं था।

क) अखरी व अन्य नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य किसने किया?

उ॰ अखरी व अन्य नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य लोगों ने किया।

ख) नदियों में पानी आ जाने पर स्थानीय प्रशासन की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उ॰ एक ठेकेदार को मछली मारने का ठेका दे दिया।

ग) ठेकेदार हमीरपुर गाँव क्यों पहुँचा?

उ॰ ठेकेदार हमीरपुर गाँव मछली मारने के लिए पहुँचा।

घ) गाँववालों ने ठेकेदार के साथ कैसा व्यवहार किया।

उ॰ गाँववालों ने ठेकेदार का विरोध किया।

ङ) विलोम शब्द लिखिए– स्थानीय, विरोध।

उ॰ स्थानीय – अस्थानीय   विरोध – समर्थन

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) राजेंद्र सिंह राजस्थान के अलवर ज़िले के किशोरी गाँव में किस उद्देश्य से गए थे?

उ॰ राजेंद्र सिंह राजस्थान के अलवर ज़िले के किशोरी गाँव में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से गए थे।

ख) अखरी संसद के गठन की आवश्यकता व भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उ॰ अखरी नदी को पुनर्जीवित करने वाले लोगों को उसके संरक्षण हेतु अखरी संसद की आवश्यकता का अनुभव हुआ था, इसलिए उन्होंने उसका गठन किया। अखरी संसद पानी के उपयोग, मछलियों के शिकार आदि पर कानून बनाकर उनके सख्ती से पालन करवाने पर नज़र रखती है।

ग) सूखी धरती में पानी लौटने के साथ और क्या-क्या परिवर्तन हुए?

उ॰ सूखी धरती में पानी लौटने पर नंगे पहाड़ों पर हरियाली लौट आई। सूखी नदियाँ जल से भर गईं और उनमें जलीय-जीव क्रीड़ा करने लगे। वर्षा होने से कुओं का जलस्तर बढ़ गया। खेतों में हरियाली छा गई। चारों ओर खुशहाली छा गई।

घ) किशोरी और गोपालपुरा गाँव के लोगों ने राजेंद्र सिंह को जल-प्रबंधन की कौन-सी पुरानी विधियाँ बताईं?

उ॰ किशोरी और गोपालपुरा गाँव के लोगों ने राजेंद्र सिंह को पारंपरिक जल-प्रबंधन की विधियाँ बताईं। जैसे छोटे-छोटे बाँध बनाना, सूख चुके कुएँ-बावड़ियों को गहरा करके उन्हें फिर से जीवित करना, जोहड़ों का निर्माण, नदियों को पुनर्जीवित करना इत्यादि।

ङ) रिमोट सेंसिंग तकनीक क्या है? इससे किस क्षेत्र में मदद मिलती है?

उ॰ रिमोट सेंसिंग तकनीक द्वारा धरती के किसी भाग के चित्र लिए जाते हैं। उन चित्रों से धरती की आंतरिक रचना स्पष्ट हो जाती है। इससे यह पता चल जाता है कि अमुक जगह पानी एकत्रित करने के लिए ठीक होगी अथवा नहीं, और पानी ज़मीन के भीतर किस गति से रिसेगा।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) जल-क्रांति लाने में राजेंद्र सिंह के अथक प्रयास का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उ॰ राजेंद्र सिंह ने अलवर ज़िले के किशोरी और गोपालपुरा गाँव के लोगों से सलाह मशविरा कर अपने जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान का प्रारंभ किया। लोगों से चंदा इकट्ठा किया और उन्हें श्रमदान के लिए तैयार किया। कार्य का प्रारंभ गोपालपुरा गाँव के जोहड़ से हुआ। वहाँ जोहड़ और बाँध बनाया गया। जब वर्षा हुई तो जोहड़ पानी से भर गया और लोग पुलकित हो उठे। इस प्रकार कई तालाब और जोहड़ बनाए गए। अन्य गाँवों के लोग भी इस कार्य से प्रेरित होकर अपने-अपने गाँवों में बाँध, तालाब और जोहड़ बनाने में जुट गए। राजेंद्र सिंह ने एक संस्था बना ली। संस्था ने निर्माण के खर्च का दो तिहाई भार भी अपने ऊपर ले लिया। लोग संस्था से जुड़ते चले गए। संस्था के लोगों ने गाँव-गाँव पैदल यात्राएँ कर लोगों को जल और जंगल का महत्व समझाया। धीरे-धीरे यह अभियान अलवर के अलावा राजस्थान के दौसा, जयपुर, टोंक, उदयपुर करौली और सवाई माधोपुर जिलों तक फैल गया और वहाँ हरियाली व खुशहाली छा गई।

ख) जल-क्रांति से अलवर ज़िले के लोगों को क्या लाभ हुआ तथा इसके क्या परिणाम हुए?

उ॰ जल-क्रांति से अलवर ज़िले की दशा ही बदल गई। जो गाँव पानी के लिए तरसते थे वहाँ अब जल से लबालब जोहड़, तालाब और बाँध दिखाई देने लगे। पानी की कमी दूर हो गई। गाँवों से पलायन कर चुके लोग वापस आकर खेतों में फसल उगाने लगे। धरती की उर्वरा शक्ति लौट आई। फसल-चक्र बदल गया। हरियाली वापस आ गई। अरावली की नंगी पहाड़ियाँ हरी-भरी हो गईं। अब महिलाओं को तेज़ धूप और लू के थपेड़ों को सहते हुए पानी के लिए रोज़ कोसों दूर नहीं जाना पड़ता था, जिससे वे घर-परिवार की सोचने लगीं, बच्चे जो पहले कुछ नहीं करते थे, पाठशाला जाने लगे। इस तरह जल-क्रांति ने अलवर जिले के गाँवों में खुशहाली ला दी।

भाषा के झरोखे से

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

क) धर्मार्थ	–	धर्म + अर्थ	✓
ख) रेखांकित	–	रेखा + अंकित	✓
ग) बहुद्देश्य	–	बहु + उद्देश्य	✓
घ) भूद्धार	–	भू + उद्धार	✓

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'ईय' प्रत्यय जोड़कर नया शब्द बनाइए–

क) राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय
ख) जल + ईय = जलीय
ग) पूजन + ईय = पूजनीय
घ) संसद + ईय = संसदीय

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए–

शब्द	मूल शब्द	उपसर्ग
क) प्रवर	प्र	वर
ख) प्रशिक्षण	प्र	शिक्षण
ग) प्रशासन	प्र	प्रशासन
घ) प्राचार्या	प्र	आचार्य
ङ) प्रगति	प्र	गति

(घ) पाठ से पाँच विशेषण-विशेष्य छाँटकर लिखिए–

विशेषण	विशेष्य
सूखी	नदियाँ
गरम	लहरें
पुरानी	विधियाँ
ग्रामीण	समाज
पाँच	नदियाँ

(ङ) विलोम शब्द लिखिए–

क) स्वाभाविक – अस्वाभाविक
ख) सुरक्षित – असुरक्षित
ग) जुर्माना – इनाम
घ) हरियाली – सूखा
ङ) ग्रामीण – शहरी
च) उचित – अनुचित

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

10 सिंड्रेला का स्वप्न

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) लड़की ने लेखिका के सामने रोज़ क्या पाने की इच्छा प्रकट की?
चाय-पाव (✓)

ख) मोना गरीब लड़की को सिंड्रेला की कहानी सुनाने के लिए क्यों तैयार हो गई?
उसे यह प्रस्ताव बड़प्पनप्रद लगा (✓)

ग) परी ने कद्दू और छिपकलियों को जादू से क्या बनाया?
रथ और सफ़ेद घोड़े (✓)

घ) लड़की की मृत्यु के बाद भी डॉक्टर ने सिस्टर को इंजेक्शन लगाने के लिए क्यों कहा?
माँ-बाप की तसल्ली के लिए (✓)

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) सोनाबाई लेखिका के घर क्यों आई थी?
उ० सोनाबाई लेखिका के घर घर के काम के लिए एक लड़की को मिलवाने के लिए आई थी।

ख) लेखिका ने लड़की के लिए कितनी पगार तय की?
उ० लेखिका ने लड़की के लिए 20 रुपये पगार तय की।

ग) पिता के शराब न पीने का लड़की ने क्या कारण बताया?
उ० पिता के शराब न पीने का कारण लड़की ने पिता का बुढ़ापा बताया।

घ) लड़की ने पिछली नौकरी क्यों छोड़ दी थी?
उ० क्योंकि उसकी मालकिन बहुत बुरा व्यवहार करती थी।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

मुझे खीझ तब आई जब उसे गांधी जी की सीख के बारे में भी कुछ नहीं मालूम था। "तभी तो कहती हूँ, तू पढ़ा कर। पढ़ेगी तो सब आएगा...।"

"हाँ मैं पढ़ेंगी...। पढ़ाई होने से मैं भी तुम लोग जइसी हो जाएगी न?..." उसने इतने विश्वास के साथ यह बात कही थी कि मैं खीझ से भरी निरुत्तर हो गई थी।

दो-चार दिनों बाद ही एक दिन वह चिकने-चमकीले पृष्ठों पर हाथ फेरने लगी थी...।

क) लेखिका को खीझ क्यों आई?
उ० लेखिका को खीझ इसलिए आई क्योंकि लड़की को गांधी जी की सीख के बारे में कुछ भी मालूम नहीं था।

ख) लेखिका की बात सुनकर लड़की के मन में क्या इच्छा जागी?
उ० लेखिका की बात सुनकर लड़की के मन में पढ़ने की इच्छा जागी।

ग) लड़की की बात सुनकर लेखिका निरुत्तर क्यों हो गई?
उ० क्योंकि लड़की ने लेखिका से बड़े विश्वास से यह प्रश्न किया था कि क्या पढ़ने के बाद वह भी उनकी जैसी ही हो जाएगी।

घ) लड़की मोना की किताब पर क्यों हाथ फेरने लगी?
उ० लड़की के मन में पढ़ने की इच्छा जाग उठी थी।

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD. ©

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लघूत्तरीय प्रश्न

क) लेखिका ने जब पहली बार काम वाली छोकरी को देखा तो अपनी सोच-समझ को किस तरह दूसरों से छिपाया?

उ॰ लेखिका ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि लड़की बहुत छोटी होने से उसके घर का काम नहीं कर सकेगी, पर इसकी गरीबी को देखते हुए मुझे इस पर दया आ गई है, इसलिए इसे रख लूँगी।

ख) लड़की ने लेखिका को पहले दिन अपने पिता के विषय में क्या बताया? पिता के संबंध में बताते समय लड़की की खुशी का क्या कारण था?

उ॰ लड़की ने लेखिका को बताया कि उसका पिता वृद्ध है इस कारण वह अन्य पुरुषों की भाँति शराब नहीं पी सकता। लड़की की खुशी का कारण पिता का शराब न पीना था।

ग) लेखिका ने लड़की को खाने-पीने के बारे में क्या चेतावनी दी?

उ॰ लेखिका ने लड़की को खाने-पीने के बारे में चेतावनी देते हुए कहा था कि स्क्वैश चुराकर मत पीना क्योंकि इससे लालच आएगा और वह चोरी करेगी, उसे चोरी ज़रा भी बर्दाश्त नहीं। अगर कभी कुछ खाने का मन करे तो वह माँग ले, पर बिना पूछे कुछ न ले।

घ) लेखिका लड़की से मिलने अस्पताल क्यों गई?

उ॰ लेखिका के मन में लड़की के प्रति उदारता का भाव आ गया था इसलिए वह लड़की से मिलने अस्पताल गई थी।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) मोना ने एक गरीब कमअक्ल लड़की को सिंड्रेला की कहानी में क्या सुनाया? इसका उसपर क्या प्रभाव पड़ा?

उ॰ मोना ने लड़की को सिंड्रेला की कहानी में सुनाया कि एक सिंड्रेला थी। उसकी सौतेली माँ और बहनें उससे खूब काम कराती थीं, उसे मारती थीं, डाँटती थीं। सिंड्रेला को रूखा-सूखा भोजन और पहनने को फटे-मोटे कपड़े मिलते थे। वह रात में वहीं सिंडर पर सो जाती थी। एक दिन राजमहल से बुलावा आने पर सिंड्रेला की दोनों बहनें खूब बन-सँवर कर राजमहल चली गईं। सिंड्रेला घर में रोती रही। तभी एक परी आई। उसने एक कद्दू और दो छिपकलियाँ मँगवाकर उन्हें क्रमशः रथ और सफ़ेद घोड़ों में बदल दिया। परी ने जादू से सिंड्रेला के लिए लेस लगा गाउन तैयार किया और उसे रथ में बिठाकर महल की दावत में भेज दिया। दावत तीन दिन चली। दूसरे दिन परी फिर आई और उसके लिए पीला लेस लगा गाउन बना दिया। तीसरे दिन भी परी ने आकर सिंड्रेला के मोटे खुरदरे कपड़े को जादू की छड़ी से छूकर गुलाबी चमचमाता गाउन बना दिया।

सिंड्रेला की कहानी सुनकर लड़की सोचने लगी कि एक न एक दिन सिंड्रेला की तरह उसके दिन भी फिर जाएँगे।

ख) कहानी के आधार पर गरीब लड़की के बालमन की इच्छा को उजागर कीजिए।

उ॰ कहानी से स्पष्ट होता है कि निर्धन लड़की का मन भी अन्य बच्चों की तरह सरल, निष्कपट था, वह भी सुखद जीवन की कल्पना करती थी। इसी कारण उसने कहा था कि 'पढ़ाई होने पर मैं भी तुम जइसी हो जाएगी न?' इसलिए वह सिंड्रेला की कहानी सुनकर किताब पर बने सिंड्रेला के गुलाबी गाउन पर हाथ फेरने लगी थी और उसने मोना को दूध का गिलास पकड़ाते हुए पूछा था कि क्या सिंड्रेला की कहानी सच है। इसलिए उसने स्वयं को शीशे में देखते हुए कहा था कि 'वह सिंड्रेला जैसी लग रही है।' सिंड्रेला सिंडर के पास सोती थी तो लड़की भी कोयले वाले स्टोर में सो गई थी। लड़की का बालमन यही कहता था कि एक दिन सिंड्रेला की तरह उसके भी अच्छे दिन आ जाएँगे।

ग) 'कहानी में पढ़े-लिखे एवं संपन्न लोगों की सोच की परतें हटाकर दिखाई गई हैं।' स्पष्ट कीजिए।

उ॰ यह सत्य है कि कहानी में पढ़े लिखे एवं संपन्न लोगों की सोच की परतें हटाकर दिखाई गई हैं। जब सोनाबाई लड़की को लेकर लेखिका के घर पहुँचती है तो वह लड़की के काम की न होने का बहाना करके, उसे काम सिखाने की बात कहकर लड़की को कम वेतन पर एहसान जताते हुए रख लेती है। इससे उसकी शोषक प्रवृत्ति स्पष्ट झलकती है। यद्यपि लेखिका निर्धन लोगों की अशिक्षा, उनमें फैले भेदभाव आदि के प्रति गंभीर है। उसके मन में उदारता का भाव भी है, पर वह स्वयं वर्ग-भेद की भावना से ग्रस्त है। लेखिका होते हुए भी लगता है कि जैसे उसमें संवेदन शून्यता ही भरी हुई है। वह छोटी बालिका से श्रम करवाते हुए ज़रा भी नहीं हिचकिचाती और हद तो तब हो जाती है जब अस्पताल में बालिका की मृत्यु होने पर लेखिका श्रीमती गुलाटी के साथ सिर्फ़ इसलिए अपने घर को चल देती है कि उसे कहीं लड़की के दाह-संस्कार हेतु कुछ धन न देना पड़ जाए। इस प्रकार कहानी में पढ़े-लिखे एवं संपन्न लोगों की शोषक प्रवृत्ति, भेदभाव की मानसिकता, चालाकी दिखाना एवं दोहरी मानसिकता को दर्शाया गया है।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

क) लेखिका के **अवचेतन** में कहीं कोई घंटा बजा रहा था।

ख) उसने फ़ौरन **आज्ञापालन** के भाव से अपने हाथ हटा लिए थे।

ग) **सिंडर** के पास सोने के कारण उसका नाम सिंड्रेला पड़ा।

घ) **खैराती वार्ड** के आखिरी बेड पर झुका डॉक्टर उसकी निस्पंद कलाइयों में ज़िंदगी की धड़कनें टटोल रहा था।

भाषा के झरोखे से

1. **सार्वनामिक विशेषणयुक्त वाक्य को पहचानकर सही (✓) का निशान लगाइए–**

क) (ग) वह लड़की मेहनती है। (✓)

ख) (क) इन बच्चों ने नाक में दम कर दिया। (✓)

ग) (ग) ये बच्चे शरारती हैं। (✓)

घ) (क) वह लड़की बहुत सीधी थी। (✓)

2. **निम्नलिखित भाववाचक संज्ञाओं से विशेषणों की रचना कीजिए–**

बीमारी – **बीमार**

उदारता – **उदार**

गंदगी – **गंदा**

दया – **दयालु**

खुरदरापन – **खुरदरा**

3. **निपात का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–**

राजन ही नहीं रोहित **भी** नटखट बालक है।

अभिषेक ने **ही** रसगुल्ला चुराया होगा।

तुम खिलाओगे **तो** मुझे खाना पड़ेगा।

अधिकांश लोगों ने दावत खाली है अब **केवल** पच्चीस लोग ही बाकी बचे हैं।

4. **वचन बदलिए–**

क) उँगली – उँगलियाँ

ख) किताब – किताबें

ग) तश्तरी – तश्तरियाँ

घ) छिपकली – छिपकलियाँ

ङ) खिड़की – खिड़कियाँ

12 मेरा घनिष्ठ पड़ोसी

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) कवि को प्रात:काल कौन जगाता था?

पेड़ (✓)

ख) कवि और उसके पड़ोसी को कौन-से मौसम अच्छे लगते हैं?

सभी मौसम (✓)

ग) कवि को अपना मकान कैसा लगता है?

चिड़ियों का घोंसला (✓)

घ) 'चाहे दिन हो चाहे रात वह ध्यान से सुनता है मेरी बातों को' का आशय है–
पेड़ के साथ कवि अपनी सभी बातें किसी भी समय करता है। (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) प्रस्तुत कविता में कवि ने किसे अपना पड़ोसी बताया है?
उ॰ प्रस्तुत कविता में कवि ने एक पुराने पेड़ को अपना पड़ोसी बताया है।
ख) हवा चलने पर लेखक को कैसा अहसास होता था?
उ॰ लेखक को लगता है जैसे पेड़ उसका नाम लेकर उसे बुला रहा है।
ग) किसकी बाँहों में चिड़ियों का बसेरा है?
उ॰ पेड़ की बाँहों में चिड़यों का बसेरा है।
घ) कवि के घनिष्ठ पड़ोसी के कौन-से मेहमान उसके घर आ जाते हैं?
उ॰ चिड़ियाँ।
ङ) क्या पेड़ किसी तरह मनुष्यों से बेहतर पड़ोसी है?
उ॰ हाँ, पेड़ मनुष्यों से बेहतर पड़ोसी है। वह कभी भी विरोधी नहीं हो सकता। सुख-दुख में सदा साथ रहता है। उससे मन की कोई भी बात कही जा सकती है। वह कभी भी बुरा नहीं मानता।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) पेड़ की डालियाँ कवि के घर के बरामदे में अपनी उपस्थिति किस तरह दर्शाती हैं?
उ॰ पेड़ की डालियाँ कवि के घर के बरामदे तक फैली हुई हैं और कवि उन्हें कभी भी छू सकता है। इस प्रकार पेड़ की डालियाँ कवि के बरामदे में अपनी उपस्थिति दर्शाती हैं।
ख) पेड़ किस प्रकार कवि की बेचैन रातों को नया सवेरा देता है?
उ॰ कवि का मन जब भी रात में बेचैन होता है, तो वह पेड़ से अपने मन की बातें इस प्रकार कहता है जैसे पेड़ उसकी बातें ध्यान से सुन रहा हो। इस प्रकार पेड़ कवि की बेचैन रातों को नया सवेरा देता है।
ग) कवि ने पेड़ को गऊ-सा क्यों कहा है?
उ॰ कवि ने पेड़ को गऊ-सा इसलिए कहा है क्योंकि वह गाय के समान शांत-भाव से उसकी ओर देखता रहता है।
घ) कवि ने पेड़ और अपनी भाषा को समान क्यों बताया है?
उ॰ कवि ने पेड़ और अपनी भाषा को समान इसलिए कहा है क्योंकि पेड़ भी कवि की तरह प्रत्येक मौसम के प्रभाव को दर्शाता है।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) कवि ने अपनी और पेड़ की दोस्ती का वर्णन किन शब्दों में किया है? स्पष्ट कीजिए।
उ॰ कवि ने अपनी और पेड़ की दोस्ती का वर्णन करते हुए कहा है कि पेड़ मित्र की भाँति सदैव उसके पास बना रहता है। उसे प्रेम से निहारता रहता है। हवा चलने पर कवि को लगता है कि जैसे मित्र की भाँति पेड़ उसे बुला रहा है। पेड़ सुबह उसे जगा देता है। मित्र की भाँति अपना सुख-दुख प्रकट करता है। जब कवि थककर बैठ जाता है और मन की बात कहता है तो पेड़ मित्र की भाँति शांत भाव से उसकी बातें सुनता प्रतीत होता है। पेड़ से मित्र की भाँति बातें कर कवि का बेचैन मन शांत हो जाता है।
ख) 'मेरा घनिष्ठ पड़ोसी' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
उ॰ कविता का मूलभाव यह है कि प्रकृति के तत्व मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं। उनसे बनाए हुए रिश्ते सदैव सुखदायी होते हैं। हमें प्रकृति के तत्वों से प्रेम करना चाहिए। अपने सुख-दुख उनसे बाँटने चाहिए। उनके साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए।

2. **आशय स्पष्ट कीजिए–**

क) मेरी उससे गाढ़ी दोस्ती हो गई है
इतनी कि जब हवा चलती
तो लगता वह मेरा नाम लेकर

मुझे बुला रहा

उ॰ कवि कहता है कि मेरे पड़ोस में जो पुराना पेड़ खड़ा हुआ है, वह मेरा सच्चा मित्र है। हवा के चलने पर जब उसकी डालियाँ और पत्तियाँ हिलती हैं तो लगता है कि वह मित्र की भाँति आनंदित होकर मुझे पुकार रहा है।

ख) पतझड़ की उदासी
वसंत का उल्लास
कितनी ही बार हमने साथ मनाया है।

उ॰ कवि कहता है कि उसके पड़ोस में खड़ा हुआ पुराना पेड़ उसके सुख-दुख का साथी है। वह उसके दुख में सदा साथ रहता है तो उसके सुख का साथी भी बनता है। दोनों ही एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी हैं।

भाषा के झरोखे से

1. **मानवीकरण अलंकार के कुछ उदाहरण लिखिए–**

–मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
–लो यह लतिका भी भर लाई।,
–मधु मुकुल नवल रस गागरी।
–वह ध्यान से सुनता है मेरी बातों को, कहता कुछ नहीं।
–उसकी बाँहों में चिड़ियों को बसेरा है।

2. **निम्नलिखित में से विशेषण रेखांकित कर उसका भेद लिखिए–**

घनिष्ठ पड़ोसी	–	**गुणवाचक विशेषण**	पुराना पेड़	–	**गुणवाचक विशेषण**
गाढ़ी दोस्ती	–	**गुणवाचक विशेषण**	अपनी भाषा में	–	**सार्वनामिक विशेषण**

3. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

क) निरीह आँखों से	–	प्लेटफॉर्म पर भीख माँगती बालिका भोजन करते लोगों को निरीह आँखों से देख रही थी।
ख) बेचैन रातें	–	केंसरग्रस्त वृद्धा की बेचैन रातों का मस्तिष्क में चित्र उभरते ही मन भर आता है।
ग) सुख-दुख	–	जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं।
घ) मेहमान	–	ससुराल पक्ष का मेहमान घर में आते ही रमा बीमारी का बहाना बनाने लगती है।

4. **निम्नलिखित के सही विकल्प चुनिए–**

क) 'बेचैन' शब्द में उपसर्ग है–	बे	(✓)
ख) शुद्ध रूप है–	घनीष्ठ	(✓)
ग) 'नया' शब्द का विलोम है–	पुराना	(✓)
घ) 'सुख-दुख' का समास-विग्रह है–	सुख और दुख	(✓)
ङ) 'उल्लास' शब्द का वर्ण-विच्छेद है–	उ + ल् + ल् + आ + स् + अ	(✓)

13 पहलवान की ढोलक

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) लुट्टन सिंह के सिर पर कसरत की धुन क्यों सवार हुई?
लोगों से बदला लेने के लिए (✓)

ख) लुट्टन सिंह कितने वर्ष राजदरबार में रहा?
पंद्रह वर्ष (✓)

ग) ढोल की आवाज़ सुनते ही लुट्टन सिंह क्या करता था?

अपने भारी–भरकम शरीर का प्रदर्शन (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) गाँव भयार्त्त शिशु की तरह क्यों काँप रहा था?

उ॰ गाँव में मलेरिया और हैजा फैलने के कारण गाँव भयार्त्त शिशु की तरह काँप रहा था।

ख) लुट्टन सिंह का पालन–पोषण किसने किया?

उ॰ लुट्टन सिंह का पालन–पोषण विधवा सास ने किया।

ग) लुट्टन सिंह दंगल देखने कहाँ गया?

उ॰ लुट्टन सिंह दंगल देखने श्यामनगर के मेले में गए।

घ) लुट्टन सिंह ने किस पहलवान को चुनौती दी थी?

उ॰ लुट्टन सिंह ने पहलवान चाँद सिंह को चुनौती दी थी।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

दंगल और शिकार–प्रिय श्यामनगर के वृद्ध राजा साहब उसे दरबार में रखने की बात कर ही रहे थे कि लुट्टन ने 'शेर के बच्चे' को चुनौती दे दी। नामी पहलवान चाँद सिंह पहले तो किंचित उसकी स्पर्धा पर मुसकराया, फिर बाज की तरह उसपर टूट पड़ा। दर्शकों में खलबली मच गई–"पागल है, पागल है, मरा–ऐ! मरा–मरा!!..." पर वाह रे बहादुर! लुट्टन बड़ी सफ़ाई से आक्रमण को सँभालकर खड़ा हो गया और पैंतरा दिखाने लगा। राजा साहब ने कुश्ती बंद करवा दी और लुट्टन को पास बुलाकर समझाया। उसके साहस की प्रशंसा करते हुए दस रुपये देकर कहने लगे, "जाओ, मेला देखकर घर जाओ...!"

क) 'शेर के बच्चे' किसे कहा गया है?

उ॰ शेर का बच्चा पहलवान चाँद सिंह को कहा गया है।

ख) लुट्टन के चुनौती देने पर चाँद सिंह क्यों मुसकराया?

उ॰ लुट्टन के चुनौती देने पर चाँद सिंह इसलिए मुसकराया क्योंकि वह स्वयं को सबसे ताकतवर पहलवान समझता था।

ग) दर्शकों में खलबली क्यों मच गई?

उ॰ नामी पहलवान चाँद सिंह जब कुश्ती में लुट्टन पर टूट पड़ा तो दर्शकों में खलबली मच गई कि चाँद सिंह लुट्टन को मार ही डालेगा।

घ) राजा साहब ने लुट्टन को अपने पास क्यों बुलाया?

उ॰ राजा साहब ने लुट्टन को अपने पास इसलिए बुलाया गया क्योंकि वे सोच रहे थे कि चाँद सिंह जैसे शक्तिशाली पहलवान के साथ लुट्टन का कुश्ती कर पाना व्यर्थ ही है, अंततः जीत चाँद सिंह की ही होगी।

ङ) 'पैंतरा दिखाना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उ॰ किसी अनाड़ी को पैंतरा दिखाना हमारे आगे तुम्हारी नहीं चलेगी।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) लुट्टन सिंह के बचपन का समय कैसे व्यतीत हुआ?

उ॰ जब लुट्टन नौ वर्ष का था, तभी उसके माता–पिता चल बसे थे। सौभाग्य से उसका विवाह हो चुका था और उसका पालन–पोषण सास ने किया था। वह गाय चराता, दूध पीता और कसरत किया करता था। यही बचपन में उसकी दिनचर्या थी।

ख) चाँद सिंह व्यर्थ मुसकराने की चेष्टा क्यों कर रहा था?

उ॰ चाँद सिंह को पहली पकड़ में ही अपने प्रतिद्वंदी की शक्ति का अंदाज़ा लग गया था, पर फिर भी वह उसे तुच्छ समझकर व्यर्थ मुसकराने की चेष्टा कर रहा था।

ग) लुट्टन सिंह द्वारा कुश्ती जीत जाने पर दर्शकों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उ॰ दर्शक आश्चर्यचकित थे और तय नहीं कर पा रहे थे कि वे किसका जयघोष करें। कोई माँ दुर्गा की, कोई महावीर जी की तो कुछ

लोग राजा श्यामानंद की जय ध्वनि कर रहे थे। अंत में दर्शक सम्मिलित जय-जयकार करने लगे।

घ) राजा श्यामानंद के यहाँ लुट्टन सिंह को क्या विशेष स्थान प्राप्त था?

उ॰ लुट्टन राजा श्यामानंद के राजदरबार का पहलवान था। राजा साहब उससे विशेष प्रेम करते थे। उनकी स्नेहदृष्टि के कारण ही लुट्टन की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैल गई थी।

ङ) राजदरबार से निकाल दिए जाने के बाद लुट्टन सिंह ने क्या किया?

उ॰ राजदरबार से निकाल दिए जाने के बाद लुट्टन अपने गाँव लौट गया। गाँववालों ने उसके लिए गाँव के किनारे एक झोंपड़ी बना दी। वहाँ रहकर वह गाँव के नौजवानों और चरवाहों को कुश्ती सिखाने लगा।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए-

क) श्यामनगर मेले के दंगल में लुट्टन सिंह के रौब-दाब का वर्णन कीजिए।

उ॰ लुट्टन सिंह ने श्यामनगर मेले के दंगल में नामी पहलवान चाँद सिंह को कुश्ती लड़ने की चुनौती दे दी थी। वह चाँद सिंह के पहले आक्रमण को सफ़ाई से बचा गया था। इससे चाँद सिंह को भी उसकी शक्ति का अंदाज़ा लग गया था। दोनों के बीच बड़ी ही रोमांचक कुश्ती हुई। चाँद के हर दाँव को लुट्टन ने बड़ी ही कुशलता से काटते हुए अंततः चाँद सिंह को चित्त कर दिया। नामी पहलवान को धराशायी करने पर दर्शक वाह-वाह कर उठे। आकाश लुट्टन की जय ध्वनि से गूँज उठा। उसी दिन से लुट्टन सिंह पहलवान की कीर्ति दूर-दूर तक फैल गई।

ख) लुट्टन पहलवान को ढोलक से अत्यंत लगाव था। अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों में उसकी ढोलक की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए।

उ॰ यह सत्य है कि लुट्टन पहलवान को ढोलक से अत्यंत लगाव था। उसकी ढोलक संध्या से प्रातः तक एक गति से बजती रहती थी। उसकी ढोलक की अनुकूल-प्रतिकूल दोनों ही परिस्थितियों में विशेष भूमिका थी। मलेरिया और हैजे से पीड़ित अत्यधिक भयभीत गाँव में उसकी ढोलक की आवाज़ ही संजीवनी शक्ति भरती थी। चाँद से कुश्ती लड़ते समय ढोल की आवाज़ से ही जोश में भरकर लुट्टन ने चाँद को चित्त किया था।

दंगल में ढोल की आवाज़ सुनकर ही उसे अपने भारी-भरकम शरीर के प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती थी। गाँव में महामारी फैलने से जब गाँव प्रायः सूना हो गया तब भी रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारती रहती थी और महामारी से मरते हुए प्राणी मृत्यु से डरते नहीं थे।

जिस दिन पहलवान के दोनों बेटे मृत्युपूर्व बीमारी की अरुह्य वेदना से छटपटा रहे थे, उस दिन भी पहलवान रातभर ढोलक पीटता रहा था।

ग) आशय स्पष्ट कीजिए- 'दोनों बहादुर गिर पड़े।'

उ॰ इस कथन का आशय यह है कि जब गाँव में फैले मलेरिया और हैजे ने लुट्टन पहलवान के दोनों बेटों को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया और उनकी मृत्यु हो गई तो भी पहलवान का मन विचलित नहीं हुआ। उसने ज़मीन पर मृत पड़े हुए अपने पुत्रों को देखकर यही कहा कि दोनों बहादुर गिर पड़े। वह बहुत ही साहसी था।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

क) लुट्टन सिंह का कहना था कि उसको **होल-इंडिया** भर के लोग जानते हैं।

ख) वृद्ध राजा साहब की **मृत्यु** के बाद राजकुमार ने राज्य-कार्य अपने हाथ में ले लिया।

ग) लुट्टन सिंह और उसके पुत्रों का दैनिक भोजन व्यय सुनकर राजकुमार ने कहा, **टेरिबल** ।

घ) राजा साहब की स्नेह दृष्टि ने लुट्टन सिंह की प्रसिद्धि में **चार चाँद** लगा दिए।

ङ) मेलों में लुट्टन सिंह **मतवाले हाथी** की तरह झूमता चलता था।

भाषा के झरोखे से

1. **रचना के आधार पर वाक्य-भेद पहचानकर सही (✓) का चिह्न लगाइए-**

क) अकेला चाँद सिंह मैदान में खड़ा व्यर्थ मुसकराने की चेष्टा कर रहा था।

सरल वाक्य (✓)

ख) जब लुट्टन के माता-पिता उसे अनाथ बनाकर चले गए तब उसका पालन-पोषण उसकी विधवा सास ने किया।

मिश्रित वाक्य (✓)

ग) भीड़ अधीर हो रही थी।

सरल वाक्य (✓)

घ) लुट्टन ने चालाकी से दाँव काटा और ज़ोर लगाकर चाँद को ज़मीन पर दे मारा।

संयुक्त वाक्य (✓)

ङ) लुट्टन दंगल में अपने दोनों पुत्रों को लेकर उतरता था।

सरल वाक्य (✓)

2. नीचे दिए गए शब्दों का परिवार पूरा कीजिए–

क) बल	–	सबल	निर्बल	बलशाली
ख) अर्थ	–	अनर्थ	अर्थवान	अर्थहीन
ग) ज्ञान	–	विज्ञान	अज्ञान	ज्ञानवान
घ) कर्म	–	सुकर्म	कर्मशील	दुष्कर्म

3. निम्नलिखित मुहावरे अर्थ सहित दिए गए हैं, इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

क) टूट पड़ना (आक्रमण करना) – हिरन को देखते ही शेर उस पर टूट पड़ा।

ख) मन मारना (इच्छा दबाना) – जब रवि को रसगुल्ले नहीं मिले तो उसने मन मारकर जलेबियाँ ही खा लीं।

ग) चल बसना (मर जाना) – अरुणिमा के वयोवृद्ध पिताजी कल रात चल बसे।

घ) चारों खाने चित्त होना(पीठ के बल गिरना) – भारतीय टीम ने विश्व कप क्रिकेट में श्री लंका की टीम को चारों खाने चित्त कर दिया।

ङ) चार चाँद लगाना (इज़्ज़त होना) – दीपिका ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर पिताजी की इज्ज़त में चार चाँद लगा दिए।

च) हिम्मत टूटना (साहस समाप्त होना) – कुंभकर्ण का वध होने पर रावण की हिम्मत टूट गई।

छ) भिड़ जाना (लड़ना) – दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता ज़रा-सी बात में आपस में बुरी तरह भिड़ गए।

4. विलोम शब्द लिखिए–

1. जय – पराजय
2. आवश्यक – अनावश्यक
3. अनावृष्टि – अतिवृष्टि
4. प्रशंसा – निंदा

14 कंचा

मौखिक प्रश्न

1. सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

क) जार को छूने पर अप्पू को कैसा अहसास हुआ?

कंचे का स्पर्श करने का अहसास। (✓)

ख) कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी कौन था?

जार्ज (✓)

ग) चपरासी क्या नोटिस लाया था?

फ़ीस जमा करवाने का (✓)

घ) अप्पू ने पोटली खोलकर देखने का निश्चय क्यों किया?

सभी कंचों पर हरी लकीर देखने के लिए (✓)

ङ) मास्टर जी ने कहा "पानी रखने के लिए खास जगह है। इसे अंग्रेज़ी में __________ कहते हैं।

बॉयलर (✓)

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) अप्पू किसकी कहानी पढ़ रहा था?

उ॰ अप्पू सियार की कहानी पढ़ रहा था।

ख) अप्पू का ध्यान किसने आकृष्ट किया?

उ॰ अप्पू का ध्यान एक नए जार ने आकृष्ट किया।

ग) मास्टर साहब की आँखों में चिनगारियाँ क्यों सुलग रही थीं?

उ॰ क्योंकि मास्टर जी द्वारा पाठ के बारे में पूछने पर अप्पू ने उत्तर में कहा था– कंचा।

घ) अप्पू कक्षा में पीछे की बेंच पर क्यों बैठा?

उ॰ क्योंकि वह देर से स्कूल पहुँचा था।

ङ) अप्पू ने कितने रुपयों के कंचे खरीदे?

उ॰ एक रुपया पचास पैसे के।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

पूरे जार में कंचे हैं। हरी लकीर वाले सुंदर सफ़ेद गोल कंचे। आँवले जैसे। कितने सुंदर हैं! अब तक ये कहाँ थे? शायद दुकान के अंदर। अब दुकानदार ने दिखाने के लिए बाहर रखा होगा।

वह खड़ा सोच रहा था, सोचते-सोचते न जाने किस स्वप्न में खो गया– देखते-देखते जार बड़ा होने लगा। वह आसमान-सा बड़ा हो गया तो वह भी उसके भीतर आ गया। वहाँ और कोई लड़का तो नहीं था। फिर वह कंचों से खेलने लगा। छोटी बहिन के हमेशा के लिए चले जाने के बाद वह अकेले ही खेलता था।

क) कंचे कैसे थे?

उ॰ कंचे हरे लकीर वाले सुंदर, सफेद और गोल थे। वे आँवले जैसे दिखाई देते थे।

ख) दुकानदार ने कंचों को बाहर क्यों रखा?

उ॰ दुकानदार ने कंचों को दिखाने के लिए उन्हें बाहर रखा।

ग) जार बड़ा कैसे हो गया?

उ॰ अप्पू कल्पना में खो गया था और उसे लगने लगा था कि जार बड़ा हो गया है।

घ) अप्पू अकेला क्यों खेलता था?

उ॰ अप्पू की छोटी बहिन की मृत्यु हो चुकी थी इसलिए वह अकेला खेलता था।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) कंचों को देखकर अप्पू ने मन-ही-मन क्या कहा?

उ॰ कंचों को देखकर अप्पू ने मन-ही-मन कहा कि जार में कंचे हैं। हरी लकीर वाले सुंदर सफेद गोल कंचे। आँवले जैसे कितने सुंदर हैं। अब तक ये कहाँ थे? शायद दुकान के अंदर। अब दुकानदार ने दिखाने के लिए बाहर रखा होगा।

ख) अप्पू के देखते-देखते जार पहले बहुत बड़ा हो गया और फिर दुकानदार के टोकने पर छोटा? ऐसा क्यों हुआ?

उ॰ अप्पू के देखते-देखते जार पहले बहुत बड़ा इसलिए हो गया क्योंकि अप्पू कल्पना में खो गया था। जब दुकानदार ने टोका तो तंद्रा टूटने पर उसे जार सामान्य आकार का दिखने लगा।

ग) अप्पू जॉर्ज को क्यों याद कर रहा था? जॉर्ज की विशेषताएँ बताइए।

उ॰ अप्पू जॉर्ज को इसलिए याद कर रहा था क्योंकि वह कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी था। जॉर्ज की विशेषता थी कि बड़े-से-बड़े लड़के को भी कंचों के खेल में हरा देता था और हारे हुए खिलाड़ी की बंद मुट्ठी को ज़मीन पर रखवाकर मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी पर कंचे मारता था।

घ) मास्टर जी क्या पढ़ा रहे थे? अप्पू के मन में उस समय क्या चल रहा था?

उ॰ मास्टर जी रेलगाड़ी का पाठ पढ़ा रहे थे। वे रेल के इंजन के हर हिस्से के बारे में समझा रहे थे। उस समय अप्पू का मन

दुकानदार के काँच के जार में रखे हरी लकीर वाले सफेद गोल, आँवले जैसे कंचों में खोया था। वह सोच रहा था कि जब जॉर्ज स्वस्थ होकर आ जाएगा तो वह जॉर्ज के साथ खेलेगा। सिर्फ वे दोनों ही खेलेंगे और किसी को नहीं खेलने देंगे।

ङ) बस्ते में कंचे भरे देख माँ ने क्या कहा?

उ॰ बस्ते में कंचे भरे देख अप्पू की माँ ने कहा कि वह इतने सारे कंचे कहाँ से लाया? उसके पास पैसे कहाँ से आए? उसने इतने कंचे क्यों खरीदे और किसके साथ खेलेगा।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) ड्राइवर ने अप्पू के विषय में क्या-क्या सोचा और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उ॰ ड्राइवर के मन में अप्पू को कच्चा खा जाने की इच्छा हुई क्योंकि वह बीच सड़क पर बैठा वहाँ फैले कंचों को बस्ते में डाल रहा था। उसने स्लेट और किताब बस्ते के बाहर रख दी थी। उसे सड़क पर गुजरने वाले वाहनों की ज़रा भी चिंता नहीं थी पर अंत में ड्राइवर अप्पू की बालसुलभता देख हँस भी पड़ा था। उसका गुस्सा हवा हो गया था।

ख) 'कागज की पोटली छाती से चिपटाए वह नीम के पेड़ों की छाँव में चलने लगा।' इस वाक्य के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि अप्पू के मन में क्या-क्या विचार आ रहे होंगे।

उ॰ 'कागज की पोटली छाती से चिपटाए वह नीम के पेड़ों की छाँव में चलने लगा।' इस वाक्य के आधार पर हम कह सकते हैं कि अप्पू सोच रहा होगा कि अब वह जॉर्ज के साथ खूब कंचे खेलेगा, अन्य किसी को नहीं खिलाएगा। अप्पू के मन में यह विचार भी आ रहा होगा कि अब ढेर सारे कंचे उसके अपने हो गए हैं। वह कंचों की सुंदरता, रंग आदि के बारे में भी कल्पना कर प्रसन्न हो रहा होगा। उसके मन में यह बात भी होगी कि वह जल्दी-से-जल्दी घर पहुँचकर सभी कंचों को हाथ से छूकर देखे और अपनी माँ को भी दिखाए।

3. **किसने, किससे कहा?**

कथन	किसने कहा	किससे कहा
क) लड़के, तू उस जार को नीचे गिरा देगा।	दुकानदार ने	अप्पू से
ख) बहुत अच्छा है न!	अप्पू ने	ड्राइवर से
ग) क्या सोच रहे हो?	मास्टर जी ने	अप्पू से
घ) एक-एक करके आओ।	क्लर्क बाबू ने	बच्चों से
ङ) इतने सारे कंचे कहाँ से लाया?	माँ ने	अप्पू से

भाषा के झरोखे से

1. **नीचे इसी प्रकार के कुछ 'विशेषण पदबंध' दिए जा रहे हैं। इनका प्रयोग कर वाक्य बनाइए–**

क) ठंडी अँधेरी रात – भूख से व्याकुल बाप-बेटे ठंडी अँधेरी रात में खेत से चुराए हुए आलू भूनकर खा रहे थे।

ख) खट्‌टी-मीठी गोलियाँ – मुझे और मेरी सखी को खट्‌टी-मीठी गोलियाँ बहुत पसंद हैं।

ग) ताज़ा स्वादिष्ट भोजन – हमें सदैव ताज़ा स्वादिष्ट भोजन करना चाहिए।

घ) स्वच्छ रंगीन कपड़े – पंडाल के चारों ओर स्वच्छ रंगीन कपड़े से सजावट करवा दीजिए।

ङ) अँधेरी संकरी गली – चोर सामान उठाकर अँधेरी संकरी गली से भाग गया।

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित समुच्चयबोधकों द्‌वारा कीजिए–**

क) तुमने मुझसे साथ चलने का वादा किया था, **परंतु** पूरा नहीं किया।

इसलिए क्योंकि यानी परंतु

ख) नए जार ने अप्पू का ध्यान आकृष्ट किया **और** वह रुक गया।

क्योंकि इसलिए और तथा

ग) अध्यापक ने अप्पू को सज़ा दी **ताकि** वह भविष्य में ध्यान से पढ़े।

ताकि इसलिए और तथा

घ) जॉर्ज को बुखार था, **इसलिए** वह स्कूल नहीं आया।

क्योंकि इसलिए और परंतु

3. **दाँतों से संबंधित पाँच मुहावरे लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**

क) दाँत खट्टे करना (हराना)– भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में शत्रु सेना के दाँत खट्टे कर दिए।

ख) दाँत पसीना (क्रोध करना)– सास की मूर्खतापूर्ण बातों पर बहू दाँत पीसकर रह गई।

ग) दाँत कटी रोटी होना (गहरी मित्रता होना)– शिवम और हर्ष की क्या पूछते हो, उनकी तो दाँत कटी रोटी है

घ) दाँतों में जीभ होना– (विरोधियों से घिरे रहना)– आजकल के नेता शत्रुओं के बीच ऐसे रहते हैं जैसे दाँतों में जीभ रहती है।

ङ) दाँतों तले उँगली दबाना (हैरान होना)– 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा टी. वी. कार्यक्रम में प्रतिभागियों के करतब देखकर दर्शकों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

4. **निम्नलिखित के सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) 'सफलता' शब्द में प्रत्यय है–
ता (✓)

ख) 'रेलगाड़ी' के लिए हिंदी शब्द है–
लौहपथ गामिनी (✓)

ग) 'निश्चय' शब्द का विलोम है–
अनिश्चय (✓)

घ) 'बेवकूफ़' शब्द है–
विदेशी (✓)

ङ) 'माँ' के लिए पर्यायवाची शब्द हैं–
अंबा, जननी, अंबिका (✓)

15 भक्ति पदावली

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) मीराबाई ने किनके पास बैठकर ज्ञान प्राप्त किया?
साधु-संतों के पास (✓)

ख) 'परम गंग को छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै' से कवि का तात्पर्य है–
गंगाजल को छोड़कर मूर्ख ही कुआँ खुदवाता है। (✓)

ग) सूरदास जी ने 'कमल नैन' का प्रयोग किसके लिए किया है?
कमल के समान नेत्र वाले श्रीकृष्ण (✓)

घ) ईश्वर कहाँ विराजते हैं।
हमारी साँसों में (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) मीराबाई के आराध्य देव कौन हैं?
उ० मीराबाई के आराध्य देव श्रीकृष्ण हैं।

ख) मीराबाई ने प्रेम रूपी बेल को किससे सींचा है?
उ० मीराबाई ने प्रेम रूपी बेल को आँसुओं से सींचा है।

ग) भँवरे को करील फल क्यों नहीं भाता?
उ० कमल का रस चखने के कारण भँवरे को करील फल अच्छा नहीं लगता है।

घ) मनुष्य ईश्वर को ढूँढ़ने कहाँ-कहाँ जाता है?
उ० मनुष्य ईश्वर को ढूँढ़ने मंदिर, मस्जिद, काबा और हिमालय पर्वत पर जाता है।

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD. ©

ङ) क्या वैरागी हो जाने पर ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है?

उ० नहीं।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) मीरा ने श्रीकृष्ण की भक्ति प्राप्त करने के लिए क्या किया?

उ० मीरा ने श्रीकृष्ण की भक्ति प्राप्त करने के लिए कुल की मर्यादा त्याग दी, संतों के साथ रहने लगी और लोक-लाज की परवाह न कर कृष्ण प्रेम में लीन हो गई।

ख) मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उ० मीराबाई की भाषा शुद्ध ब्रज है, जिसमें राजस्थानी, गुजराती और पंजाबी भाषा का मिश्रण हुआ है।

ग) सूरदास जी को अन्यत्र सुख क्यों नहीं प्राप्त होता?

उ० सूरदास जी को अन्यत्र सुख इसलिए प्राप्त नहीं होता क्योंकि उनका मन कृष्ण भक्ति में रमा रहता है।

घ) कबीरदास जी की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उ० कबीरदास जी जगह-जगह भ्रमण कर प्रत्यक्ष अनुभवों पर रचना करते थे। अत: उनकी भाषा में अवधी, राजस्थानी, भोजपुरी और पंजाबी भाषा के शब्दों का समावेश हुआ है। इसी कारण उनकी भाषा को 'पंचमेल खिचड़ी' और 'सधुक्कड़ी' भी कहा जाता है।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) मीरा की भक्ति पर टिप्पणी कीजिए।

उ० मीराबाई का विवाह महाराणा सांगा के पुत्र कुँवर भोजराज के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही भोजराज का देहांत हो गया। तभी से मीरा ने स्वयं को कृष्ण भक्ति में समर्पित कर दिया। वे कृष्ण की ऐसी अनन्य भक्त बन गईं कि वे प्रतिदिन मंदिर में जाकर भजन-कीर्तन करतीं और लोक-लाज को त्यागकर कृष्ण के प्रेम में डूबकर नाचती गातीं। मीरा ने कृष्ण को अपना पति मान लिया था। उनकी भक्ति में प्रेम की प्रधानता है।

ख) कबीर एक समाज सुधारक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में किन-किन सामाजिक बुराइयों पर प्रहार किया? लिखिए।

उ० कबीर एक श्रेष्ठ समाज सुधारक थे। उन्होंने अपने काव्य में मुस्लिम और हिंदू समाज में फैले धार्मिक आडंबरों, सामाजिक कुरीतियों जैसे– जात-पात, छुआछूत आदि पर तीखा प्रहारा किया है। उन्होंने जाति प्रथा की भावना को जन्म देने वाले ब्राह्मणों को खूब फटकार लगाई है उनके अवतारवाद, मूर्ति पूजा आदि को पाखंड कहकर कटु आलोचना की है। मुसलमान होते हुए भी कबीर ने मुस्लिम धर्म के दोषों पर भी परदा नहीं डाला है, उन्होंने शेख, मुल्ला, काजी आदि सभी की निडरता से आलोचना की है।

ग) सूरदास की कृष्ण भक्ति का वर्णन कीजिए।

उ० सूरदास जी के काव्य में कृष्ण भक्ति का भव्य रूप देखने को मिलता है। उनकी भक्ति में प्रेम का विशिष्ट रूप विद्यमान है। उनका संपूर्ण काव्य प्रेम के सागर में हिलोरें लेता दिखाई देता है। उन्होंने स्वयं को पूर्ण रूप से कृष्ण के चरणों में अर्पित कर दिया है। सूर की भक्ति में अनुग्रह का विशेष भाव देखने को मिलता है। अर्थात भगवान अपने भक्त पर स्वयं कृपा रखते हैं। उन्होंने कृष्ण भक्ति के माध्यम से जन-जन में प्रेम संचार किया है।

2. **भाव स्पष्ट कीजिए–**

क) मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।

उ० मीराबाई की भक्ति में कृष्ण-प्रेम की प्रधानता है। उनका संसार कृष्णमय है। मीरा कहती हैं कि गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाला जो गोपाल है, उसके अलावा मेरा कोई नहीं है, जिसके सिर पर मोर पंख का मुकुट सुशोभित होता है, मेरा पति वही है।
इन पंक्तियों में मीरा ने पूर्ण भक्ति भाव एवं प्रेम से कृष्ण के प्रति अपने समर्पण को दर्शाया है।

ख) जिहिं मधुकर अंबुज रस चाख्यौ, क्यों करील फल भावै।

उ० इस पंक्ति में सूरदास की कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति एवं प्रेम प्रकट हुआ है। उन्होंने कृष्ण की उपमा कमल से देते हुए कहा है कि

जिसने कमल के रस के समान कृष्ण भक्ति का रसपान कर लिया हो, उसे करील के फल के समान किसी अन्य देव की भक्ति में भला क्या आनंद आएगा।

ग) मोको कहाँ ढूँढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में

उ० इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने मनुष्यों से कहा है कि ईश्वर की तलाश में इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है, ईश्वर तो प्रत्येक प्राणी के भीतर विद्यमान है। उसे अपने भीतर ही खोजना चाहिए।

भाषा के झरोखे से

1. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए-

क) <u>श्रीकृष्ण</u> का जन्म स्थान <u>मथुरा</u> है।

श्रीकृष्ण – एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा।

मथुरा – एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा

ख) <u>यशोदा</u> माता ने श्रीकृष्ण का लालन-पालन किया।

यशोदा – एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा।

ग) <u>सूरदास</u> जी जन्मांध थे।

सूरदास – एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा।

घ) <u>कबीरदास</u> जी का जन्म काशी में हुआ था।

कबीरदास – एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा।

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची दीजिए-

1. गिरधर – कृष्ण, गोपाल
2. कमल – जलज, नीरज
3. जगत – संसार, जग
4. पंछी – विहग, खग
5. भौंरा – भ्रमर, मधुप

3. छाँड़ि दई <u>कु</u>ल <u>की</u> <u>का</u>नि, <u>क</u>हा <u>क</u>रि है <u>को</u>ई।

<u>लो</u>क <u>ला</u>ज खोई

उपर्युक्त पंक्तियों में क्रमशः 'क' और 'ल' वर्ण की आवृत्ति के कारण ध्वनि-सौंदर्य उत्पन्न हुआ है। वर्ण की आवृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है।

अनुप्रास अलंकार के चार अन्य उदाहरण लिखिए-

1. कलहंस कलानिधि खंजन कंज,
   कछू दिन केशव देखि जिये।
2. ना तो कौनों क्रिया-करम में नाहिं जोग बैराग में।
3. कहै कबीर सुनो भई साधो, सब साँसों की साँस में।
4. मुदित महीपति मंदिर आए, सेवक सचिव सुमत बुलाए।

4. अब आप ऊपर लिखे तीनों प्रकार के पुनरुक्त शब्दों की एक ऐसी सूची तैयार कीजिए, जिसमें सभी वर्गों के कम-से-कम पाँच-पाँच शब्द-युग्म हों।

पूर्ण पुनरुक्त शब्द	अपूर्ण पुनरुक्त शब्द	अनुकरणात्मक पुनरुक्त शब्द
घर-घर	बड़े-बूढ़े	खाना-वाना
डाल-डाल	रुपया-पैसा	जाला-वाला
छोटी-छोटी	साग-सब्ज़ी	कुश्ती-वुश्ती
तीखी-तीखी	टूटा-फूटा	शादी-वादी
थोड़ा-थोड़ा	घास-पात	मिठाई-विठाई

17 संध्या की लाली

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) क्रिस्टोफर बच्चों को क्या देता था?

टॉफ़ी (✓)

ख) क्रिस्टोफर बहत्तर का होते हुए भी कितने वर्ष का नज़र आता था?

बयासी का (✓)

ग) क्रिस्टोफर की माता क्या थी?

नर्स (✓)

घ) क्रिस्टोफर को किस नाम से पुकारा जाता था?

क्रिस (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) क्रिस्टोफर को रिटायर हुए कितने बरस हो चुके थे?

उ॰ क्रिस्टोफर को रिटायर हुए छह-सात बरस हो चुके थे।

ख) प्रथम विश्व युद्ध में कौन मारा गया?

उ॰ प्रथम विश्व युद्ध में क्रिस्टोफर का पिता मारा गया।

ग) क्रिस्टोफर को उसकी माता के देहांत की खबर कितने दिन बाद मिली?

उ॰ देहांत के एक महीने बाद।

घ) क्रिस्टोफर कौन-सी भाषा बोलना सीख गया?

उ॰ क्रिस्टोफर पंजाबी भाषा बोलना सीख गया।

ङ वृद्धा कहाँ बैठी थी?

उ॰ एक घर के फ्रंट गार्डन की मेड़ सरीखी जगह पर।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

"...बुढ़िया बहुत रौनकों में बसती है।" माता ने उसका अधूरा वाक्य पूरा कर दिया, "दो बेटियाँ कनाडा में है। सात बेटे यहीं विलायत में बसते हैं। सुखी हैं, पर माँ को फ़ालतू बोझ समझते हैं। किसी का कुछ सँवार जो नहीं सकती। सातों ने अपनी-अपनी बारी बाँध रखी है, हफ़्ते में सात फ़ोन आ जाते हैं। क्रिसमस पर नौ कार्ड! बस फ़ोनों और कार्डों के काबिल ही रह गई है माँ! इन्हीं की प्रतीक्षा करती रहती हूँ। पिछले छह वर्षों में कभी बीमार भी तो नहीं पड़ी कि बेटे खबर लेने ही आ जाते! तेरे अंकल की बरसी के बाद किसी ने इधर का रुख नहीं किया।"

क) बुढ़िया के कितने बेटे थे?

उ॰ बुढ़िया के सात बेटे थे।

ख) बुढ़िया की कितनी बेटियाँ थीं और वे कहाँ रहती थीं?

उ॰ बुढ़िया की दो बेटियाँ थीं जो कनाडा में रहती थीं।

ग) बुढ़िया के पास नौ कार्ड कब आते थे?

उ॰ बुढ़िया के पास नौ कार्ड क्रिसमस पर आते थे।

घ) बुढ़िया किसके काबिल रह गई थी?

उ॰ बुढ़िया फोनों और कार्डों के काबिल रह गई थी।

ङ) बेटे अपनी माँ को क्या समझते थे?

उ॰ बेटे अपनी माँ को फालतू बोझ समझते हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) क्रिस्टोफर ने पहली बार कब उदासी और अकेलेपन का मतलब समझा?

उ॰ माँ की मृत्यु के बाद क्रिस्टोफर ने पहली बार उदासी और अकेलेपन का मतलब समझा।

ख) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद क्रिस्टोफर कहाँ जाकर और किस तरह रहने लगा?

उ॰ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद क्रिस्टोफर लंदन जाकर रहने लगा। वहाँ वह बिल्डर मर्चेंटस की कंपनी–ब्लैंचर्ड्स की एक दुकान पर सेल्समैन की नौकरी करने लगा।

ग) 'ईस्ट होम' में रहते हुए क्रिस्टोफर को किस–किस बात की खुशी थी?

उ॰ 'ईस्ट होम' में रहते हुए क्रिस्टोफर को इस बात की खुशी थी कि लोग मकानों की मरम्मत का सामान खरीदने उसकी दुकान पर आते हैं, जिससे उसकी मित्रता का घेरा विशाल होता जा रहा है। उसकी यह खुशी तब और भी बढ़ जाती थी, जब उसे ये नए मित्र 'क्रिस' कहकर पुकारते थे।

घ) रिटायरमेंट से पहले और उसके बाद के क्रिस्टोफर की सोच के अंतर को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उ॰ रिटायरमेंट से पहले क्रिस्टोफर की सोच थी कि गृहस्थ जीवन ठीक नहीं होता क्योंकि अपनों का मोह उदासी का कारण बनता है। परंतु जब रिटायरमेंट के बाद उसके जीवन को अकेलेपन और निराशा ने घेर लिया तो उसकी सोच बदल गई और वह सोचने लगा था कि यदि उसने भी अपना परिवार बसाया होता तो वह इतना अकेला और अनजाना न होता।

ङ) क्रिस्टोफर ने किस प्रकार अपने अकेलेपन और उदासी को रौनक और खुशी में रूपांतरित किया?

उ॰ क्रिस्टोफर रिटायरमेंट के बाद अकेलेपन और उदासी से भरा जीवन काट रहा था। एक दिन अचानक उसे पहचान की एक वृद्धा मिल गई। वृद्धा भी बच्चों के बाहर रहने के कारण अकेलेपन की शिकार थी। क्रिस्टोफर वृद्धा के साथ पुत्र की भाँति रहने लगा और उसके जीवन में रौनक और खुशी लौट आई।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) 'क्रिस्टोफर खुश था। उसने किसी एक को अपना गहरा मित्र नहीं बनाया था। हाँ, वह खुद सभी का गहरा मित्र था।' भाव स्पष्ट कीजिए।

उ॰ द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद क्रिस्टोफर अपने शहर लंदन आ गया और ईस्ट हैम की हाईस्ट्रीट में ब्लैंचर्ड्स कंपनी की दुकान पर सेल्समैन की नौकरी करने लगा। वहाँ के लोग उसकी दुकान से घर की मरम्मत का सामान खरीदने आते थे। धीरे–धीरे काफ़ी लोगों से उसकी मित्रता हो गई। कई बार ज़रूरत पड़ने पर वह ग्राहकों के घर जाकर भी प्लंबिंग या बिजली का काम कर देता था। ऐसी सहायता में उसे विशेष आनंद आता था। वह ग्राहकों के घर, चॉकलेट, टॉफियाँ भी ले जाता था और छोटे बच्चों को टॉफियाँ देता था। धीरे–धीरे उसकी मित्रता का दायरा फैलता जा रहा था। उसके सहयोगी स्वभाव और आत्मीयतापूर्ण व्यवहार के कारण सभी उसे अपना गहरा मित्र मानते थे, पर उसने किसी को भी अपना गहरा मित्र नहीं बनाया था।

ख) कहानी के आधार पर क्रिस के स्वभाव की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

उ॰ क्रिस के स्वभाव की विशेषताएँ–

मित्रवत एवं सेवाभावी– जब क्रिस इंडियन आर्मी में कार्यरत था तो भारतीय सैनिकों के साथ उसका व्यवहार मित्रवत एवं सेवापूर्ण था। दुकान के सेल्समैन के रूप में भी वह सभी का गहरा मित्र बन गया था।

परिश्रमी, ईमानदार एवं मृदुस्वभाव– क्रिस एक परिश्रमी ईमानदार एवं मधुर स्वभाव वाला व्यक्ति था। अपने इन गुणों के कारण ही वह ब्लैंचर्ड्स कंपनी की दुकान पर काम करते हुए 'हर दिल अजीज़' बन गया था और सेल्समैन से दुकान का इंचार्ज बन गया था।

सहयोगी– क्रिस सहयोगी स्वभाव का व्यक्ति था। जब उसका कोई ग्राहक प्लंबिंग या बिजली काम नहीं जानता था तो वह उसके घर जाकर उसकी सहायता करता था।

प्रेमिल– क्रिस प्रेमिल स्वभाव का व्यक्ति था। उसका व्यवहार सभी के साथ प्रेमपूर्ण था। बच्चों से भी उसे बहुत प्रेम था। वह उन्हें टॉफियाँ देता था।

ग) 'यदि उसने भी गृहस्थ होकर अपना परिवार बसाया होता तो वह इतना अकेला और अनजान न होता' क्रिस्टोफर के इस तरह सोचने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए।

उ॰ सैंतीस वर्ष तक नौकरी करने के बाद क्रिस रिटायर हो गया। उसके पहचान के अनेक लोगों का धीरे-धीरे वृद्ध होकर देहांत हो गया और कुछ लोगों के बच्चों ने घर बदल लिए। अब वह अकेलेपन का अनुभव करने लगा था। वह सड़क पर आते-जाते लोगों में अपनी पहचान के लोगों को खोजता रहता था। उसके मन में निराशा भर गई थी। अब वृद्धावस्था में वह सोचने लगा था कि काश! उसने भी विवाह कर परिवार बसाया होता तो वह अकेला न होता। क्रिस का ऐसा सोचना ठीक ही था क्योंकि वृद्धावस्था में व्यक्ति को हँसी-खुशी बचा-खुचा जीवन व्यतीत करने के लिए अपने लोगों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

क) दूसरा विश्व युद्ध पहले से भी अधिक **भयानक** था।

ख) **आठवीं** भारतीय सेना में कार्यरत क्रिस्टोफर उस समय अपने देश से बाहर था।

ग) वह दुनिया के मेले में नितांत अकेला व **अनजाना** हो गया।

घ) क्रिस प्रतिदिन **हाईस्ट्रीट** का एक चक्कर ज़रूर लगाता था।

ङ) युद्ध की समाप्ति के बाद क्रिस्टोफर अपने शहर **लंदन** आ गया।

भाषा के झरोखे से

1. नीचे लिखे वाक्यों के लिए उचित वाच्य पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

क) माँ बाज़ार जाती है।
कर्तृवाच्य (✓)

ख) माँ के द्वारा हलवा बनाया जाता है।
कर्मवाच्य (✓)

ग) माँ के द्वारा सब्ज़ी लाई जाती है।
कर्मवाच्य (✓)

घ) क्रिस हाईस्ट्रीट जा रहा है।
कर्तृवाच्य (✓)

ङ) वृद्धा से चला नहीं जाता है।
भाववाच्य (✓)

2. 'भाव' शब्द में 'अ' उपसर्ग जोड़ने से 'अभाव' तथा 'ना' प्रत्यय जोड़ने से 'भावना' शब्द बनता है। नीचे दिए गए शब्दों में उपसर्ग एवं प्रत्यय जोड़कर एक-एक नया शब्द बनाइए–

		उपसर्ग	**प्रत्यय**
जीव	–	सजीव	जीवित
देश	–	विदेश	देशी
आवश्यक	–	अनावश्यक	आवश्यकता
खुश	–	नाखुश	खुशी
उदार	–	अनुदार	उदारता

3. निम्नलिखित शब्दों में भाववाचक संज्ञा तथा विशेषण पहचानिए–

उदासी	–	**भाववाचक संज्ञा**	फ़ालतू	–	**विशेषण**
खुश	–	**विशेषण**	चाव	–	**भाववाचक संज्ञा**
उत्साही	–	**विशेषण**	बीमार	–	**विशेषण**

18 स्वराज्य की नींव

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) मुरार में किसकी सेना की हार हुई?
जनरल रोज़ की (✓)

ख) ग्वालियर की सेना किससे मिल गई थी?
अंग्रेजों से (✓)

ग) महारानी का घोड़ा अड़ जाने से क्या हानि हुई?
फिरंगियों ने उन्हें घेर लिया (✓)

घ) ह्यूरोज़ कौन था?
अंग्रेज़ सेनापति (✓)

ङ) बेहोश महारानी को रामचंद्र और रघुनाथ कहाँ ले गए?
बाबा गंगादास के पास (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) रक्तमंडल की छाया में भी राव साहब किस कार्य में मशगूल थे?
उ० रक्तमंडल की छाया में भी राव साहब ऐशो-आराम में मशगूल थे।

ख) पेशवा की सेना की हार पर भी लक्ष्मीबाई ने 'अच्छा ही हुआ' क्यों कहा?
उ० लक्ष्मीबाई ने सोचा कि अब पेशवा की आँखें अवश्य खुल जाएँगी।

ग) युद्ध के समय लक्ष्मीबाई ने जूही को क्या कार्य सौंपा?
उ० युद्ध के समय लक्ष्मीबाई ने जूही को ताँत्या को खोजने का कार्य सौंपा।

घ) जीतने की आशा न देख रानी ने ताँत्या को क्या आज्ञा दी?
उ० सेना को निकाल ले जाने की और स्वतंत्रता के युद्ध की लौ सदा जलाए रखने की आज्ञा दी।

ङ) लक्ष्मीबाई के अंतिम समय में उन्हें कहाँ ले जाया गया?
उ० लक्ष्मीबाई के अंतिम समय में उन्हें बाबा गंगादास की कुटिया पर ले जाया गया।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

मुंदर : उनके पास पहुँचने के सब रास्ते बंद हो चुके हैं। (दोनों ऊँचे स्थान पर चढ़ जाते हैं।) वह देखो सरदार, महारानी किस तरह दोनों हाथों में तलवार लिए लड़ रही हैं। वह देखो, वे बाहर निकलने के लिए मार्ग खोज रही हैं। सरदार ताँत्या नहीं दिखाई दे रहे हैं?

रघुनाथ : सरदार रानी का आदेश पूरा कर रहे हैं। वे दुश्मन का व्यूह तोड़कर दक्षिण की ओर बढ़ रहे हैं। (सहसा काँपकर) अरे, इधर तो देखो रामचंद्र घिर गया। दामोदर उसकी पीठ पर है (चिल्लाकर) ठहरो शैतान, तुम उसे नहीं छू सकते।

क) मुंदर किसके पास पहुँचना चाहती है?
उ० मुंदर रानी लक्ष्मीबाई के पास पहुँचना चाहती है।

ख) महारानी कैसे लड़ रही थीं?
उ० महारानी दोनों हाथों में तलवार लिए लड़ रही थी।

ग) ताँत्या रानी के किस आदेश का पालन कर रहे थे?
उ० ताँत्या रानी के आदेश पर शत्रु का घेरा तोड़कर दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे।

घ) दामोदर कौन था?

उ॰ दामोदर रानी लक्ष्मीबाई का पुत्र था।

ङ लिंग बदलिए– सरदार – **सरदारनी** महारानी – **महाराजा**

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

लघूत्तरीय प्रश्न–

क) लक्ष्मीबाई की चिंता का क्या कारण था?

उ॰ अंग्रेज़ों ने झांसी, कालपी, ग्वालियर पर अधिकार जमा लिया था, यही लक्ष्मीबाई की चिंता का कारण था।

ख) लक्ष्मीबाई ने स्वराज्य प्राप्ति के लिए क्या मार्ग बताया?

उ॰ लक्ष्मीबाई ने स्वराज्य प्राप्ति के लिए विलासप्रियता का त्याग कर जनसेवा, तपस्या और बलिदान का मार्ग बताया।

ग) दामोदर को साथ रखने की ज़िम्मेदारी लक्ष्मीबाई ने किसे सौंपी और क्यों?

उ॰ दामोदर को साथ रखने की ज़िम्मेदारी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र को सौंपी थी ताकि लक्ष्मीबाई के शहीद होने पर वह दामोदर की रक्षा कर सके।

घ) लक्ष्मीबाई सेना का उत्साह बढ़ाने के लिए क्या कह रही थीं?

उ॰ लक्ष्मीबाई सेना का उत्साह बढ़ाने के लिए कह रही थी– "शाबाश, वीरों, बढ़े चलो! तुम्हारी तलवारों पर सूरज की किरणें चमक रही हैं। तुम्हारे चेहरों पर विजय की ज्योति दमक रही है। तुम स्वराज्य की ओर बढ़ रहे हो। बढ़े चलो।

ङ) जूही ने युद्ध में किस प्रकार भूमिका निभाई?

उ॰ युद्ध में जूही ने तोप खाने को सँभाला। तलवार लेकर वह निडरता से शत्रुओं पर टूट पड़ी और अनेक शत्रु सैनिकों को मार गिराया। बड़ी ही वीरता के साथ वह अंतिम श्वास तक शत्रु-सेना से लड़ती रही।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) रानी लक्ष्मीबाई की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

उ॰ रानी लक्ष्मीबाई की चारित्रिक विशेषताएँ–

राष्ट्रभक्त– रानी लक्ष्मीबाई में राष्ट्र-भक्ति का भाव कूट-कूट कर भरा था। वे अंग्रेज़ों से अपनी झाँसी लेने को दृढ़ प्रतिज्ञ थीं।

कुशल संगठनकर्त्री– रानी लक्ष्मीबाई एक कुशल संगठनकर्त्री थीं। अंग्रेज़ों से युद्ध के समय उन्होंने बड़ी ही कुशलता के साथ अपनी सेना को संगठित किया था।

प्रेरक– लक्ष्मीबाई एक श्रेष्ठ प्रेरक थीं। उनकी प्रेरणा से ही भारतीय सैनिक और सेनापति विशाल अंग्रेज़ी सेना से भिड़ने को तत्पर हो उठे थे।

वीरांगना– लक्ष्मीबाई एक सच्ची वीरांगना थीं। उन्होंने स्वराज्य प्राप्ति के लिए निडरता के साथ बड़ी ही वीरता के साथ अंग्रेज़ों से युद्ध किया और अनेक अंग्रेज़ सैनिकों को मार गिराया।

बलिदान की भावना– रानी लक्ष्मीबाई बलिदान की भावना से ओत-प्रोत थीं। उन्होंने स्वराज्य के लिए अंतिम साँस तक अंग्रेज़ों से संघर्ष किया और अपना बलिदान दे दिया।

ख) **आशय स्पष्ट कीजिए–**

हम सब मिलकर या तो स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे।

मैंने नींव इतनी मज़बूत डाली है कि जब उसपर भवन बनेगा तो प्रलय भी उसे नहीं डिगा सकेगा।

उ॰ प्रथम पंक्ति से रानी लक्ष्मीबाई का स्वराज्य प्रेम प्रकट होता है। वे स्वराज्य प्राप्ति के लिए कृत संकल्प थीं। उन्होंने प्रतिज्ञा कर ली थी कि या तो वे शत्रु-सेना को परास्त करके स्वराज्य को प्राप्त करेंगी या स्वराज्य प्राप्ति हेतु बलिदान देकर जन-जन में राष्ट्र-प्रेम का संचार करेंगी।

द्वितीय पंक्ति से लक्ष्मीबाई के इस दृढ़ विश्वास का पता चलता है कि एक न एक दिन अवश्य ही स्वराज्य प्राप्त होगा। अंग्रेज़ों से युद्ध में जब लक्ष्मीबाई के सभी सैनिक वीरगति प्राप्त कर लेते हैं तो वे अपना यह विश्वास प्रकट करती हैं कि मेरा संघर्ष व्यर्थ नहीं जाएगा। मैंने स्वराज्य प्राप्ति की ऐसी अलख जगा दी है कि संपूर्ण देशवासी संघर्ष हेतु तत्पर हो उठेंगे और फिर स्वराज्य प्राप्त करके ही रहेंगे।

ग) स्वराज्य प्राप्ति के प्रयास में महारानी लक्ष्मीबाई व अन्य विभूतियों ने प्राणों की बाजी लगा दी थी परंतु फिर भी इस प्रयास में सभी

HELPLINE PUBLICATIONS © (P) LTD.

भारतीय एकजुट नहीं थे? एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ॰ स्वराज्य प्राप्ति में सभी भारतीय एकजुट नहीं थे। जब लक्ष्मीबाई स्वराज्य प्राप्ति हेतु अंग्रेज़ों से दो-दो हाथ करने को तैयार थीं तो राव साहब नाच-रंग, ऐशो-आराम में मशगूल थे। बाँदा के नवाब भी विलासित में डूबे थे। राव साहब चाटुकारों में जागीर बाँट रहे थे। ग्वालियर की सेना अंग्रेज़ों से मिल गई थी। इस प्रकार एकांकी से स्पष्ट होता है कि स्वराज्य प्राप्ति के प्रयास में सभी भारतीय एकजुट नहीं थे।

3. **किसने, किससे कहा?**

कथन	किसने कहा	किससे कहा
क) आप तो गीता पढ़ती हैं, फिर यह निराशा कैसी?	जूही ने	लक्ष्मीबाई से
ख) तुम तो उनका पक्ष लोगी ही।	मुंदर ने	जूही से
ग) आज आप भूल से इधर कैसे आ गए?	लक्ष्मीबाई ने	ताँत्या से
घ) एक-एक करके सभी नींव के पत्थर बन गए।	रघुनाथ ने	लक्ष्मीबाई से
ङ) आज़ादी के युद्ध की यह लौ कभी नहीं बुझनी चाहिए।	रघुनाथ ने	लक्ष्मीबाई से

भाषा के झरोखे से

1. **उचित विस्मयादिबोधक शब्दों का वाक्यानुसार मिलान कीजिए–**

क) तुम कब आए?	(क) अरे!
ख) बेचारा मर गया।	(ख) हाय!
ग) खबरदार जो दुबारा यह बात दुहराई।	(ग) चुप!
घ) तुम अवश्य ही शत्रु को हरा सकोगे।	(घ) विजयी हो!
ङ) तुमने तो कमाल ही कर दिया।	(ङ) वाह!

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित क्रियाविशेषण शब्द चुनकर भरिए–**

क) रघुनाथ वहाँ से **बाहर** चला गया।	अभी	कुछ	बाहर
ख) **पीछे** से आक्रमण हो गया।	रात-भर	पीछे	कुछ
ग) ज़रा **धीरे** चलो।	कैसे	बहुत	धीरे
घ) दामोदर ने **थोड़ा** ही खाया।	थोड़ा	चारों	बिलकुल

3. **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

क) लोहा लेना (युद्ध करना) – भारतीय सेना शत्रु सेना से लोहा ले रही है।

ख) लोहा मानना (प्रभुत्व स्वीकार करना) – कारगिल युद्ध में शत्रु सेना ने भारतीय सेना का लोहा मान लिया।

ग) नींव डालना (आधार तैयार करना) – लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्रता संघर्ष की ऐसी नींव डाली कि अंततः भारत स्वतंत्र हो गया।

घ) स्वर्ग सिधारना (मृत्यु होना) – शत्रु सेना से युद्ध करते हुए लक्ष्मीबाई स्वर्ग सिधार गईं।

4. **निम्नलिखित के सही विकल्प चुनिए–**

क) 'अमर' शब्द में उपसर्ग है–

अ (✓)

ख) 'स्वराज्य' शब्द का विलोम है–

गुलामी (✓)

ग) 'आवश्यकता' शब्द में प्रत्यय है–

ता (✓)

19 चीफ़ की दावत

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) मिस्टर शामनाथ के घर दावत के लिए चीफ़ किस समय पहुँचे?
आठ बजे (✓)

ख) कमरे का फ़ालतू सामान कहाँ छिपाया जाने लगा?
अलमारियों के पीछे और पलंगों के नीचे (✓)

ग) शामनाथ ने माँ से कौन-से कपड़े पहनने को कहा?
सफ़ेद सलवार-कमीज़ (✓)

घ) शामनाथ ने माँ को सोने के लिए मना क्यों किया था?
उनके खर्राटों की आवाज़ दूर तक जाती थी (✓)

2. **इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) मिस्टर शामनाथ की पत्नी परेशान हालत में क्यों थी?
उ० मिस्टर शामनाथ की पत्नी परेशान हालत में इसलिए थी क्योंकि उनके घर पति शामनाथ के चीफ़ की दावत थी।

ख) श्रीमती शामनाथ ने माँ को उनकी सहेली के घर भेजने के लिए क्यों कहा?
उ० चीफ़ की दावत के समय माँ उसे अड़चन लग रही थी, साथ ही उसे डर था कि अगर माँ सो गईं तो खर्राटे लेने लगेंगी।

ग) मिस्टर शामनाथ की माँ के पास ज़ेवर क्यों नहीं थे?
उ० मिस्टर शामनाथ की माँ के पास ज़ेवर इसलिए नहीं थे क्योंकि उनके ज़ेवर शामनाथ की पढ़ाई में बिक गए थे।

घ) शामनाथ की माँ को देखकर चीफ़ ने क्या कहा?
उ० शामनाथ की माँ को देखकर चीफ़ ने कहा पूअर डियर।

ङ) कोठरी में चले जाने पर माँ ने क्या किया?
उ० कोठरी में चले जाने पर माँ रोने लगीं।

3. **सही वाक्य पर (✓) और गलत वाक्य पर (✗) का चिह्न लगाइए–**

क) शामनाथ और उनकी धर्मपत्नी को पसीना पोंछने तक की फ़ुर्सत न थी। (✓)
ख) मिस्टर शामनाथ की माँ अनपढ़ थीं। (✓)
ग) माँ अपनी सहेली के घर चली गई थी। (✗)
घ) माँ को देखते ही अफ़सरों की कुछ स्त्रियाँ हँस दीं। (✓)
ङ) चीफ़ के जाने के बाद शामनाथ माँ पर क्रोधित हुए। (✗)

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

तालियों से पूरा घर गूँज उठा। तालियाँ थमने पर साहब बोले, "क्या पंजाब के गाँवों की दस्तकारी है आपके पास?" शामनाथ खुशी से झूम उठे। बोले, "बहुत-कुछ है साहब! मैं आपको उन चीज़ों का एक सेट भेंट करूँगा। आप उन्हें देखकर बहुत खुश होंगे।"
मगर साहब ने सिर हिलाकर कहा, "नहीं, मैं दुकानों की बनी हुई चीज़ नहीं माँग रहा। मैं पंजाबियों के घरों में जो औरतें बनाती हैं, वह माँग रहा हूँ।"
शामनाथ कुछ सोचते हुए बोले, "अच्छा! आप फुलकारी की बात कर रहे हैं।"

क) घर तालियों से क्यों गूँज उठा था?
उ० जब शामनाथ की माँ ने पुराना विवाह-गीत सुनाया तो सबने सुनकर तालियाँ बजाईं। इस कारण घर तालियों से गूँज उठा।

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD ©

ख) तालियाँ थमने पर साहब ने क्या इच्छा प्रकट की?

उ॰ तालियाँ थमने पर साहब ने गाँवों की दस्तकारी देखने की इच्छा प्रकट की।

ग) साहब की इच्छा सुनकर शामनाथ ने क्या कहा?

उ॰ साहब की इच्छा सुनकर शामनाथ ने कहाँ– "बहुत-कुछ है साहब! मैं आपको उन चीज़ों का एक सेट भेंट करूँगा आप उन्हें देखकर बहुत खुश होंगे।

घ) फुलकारी किसे कहते हैं?

उ॰ पंजाब की स्त्रियों द्वारा हाथ से की जाने वाली कढ़ाई को फुलकारी कहते हैं।

ङ) अर्थ बताइए– दस्तकारी।

उ॰ हाथ से किया जाने वाला काम, कौशल

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

लघूत्तरीय प्रश्न

क) चीफ़ की दावत के लिए क्या तैयारियाँ की गईं?

उ॰ चीफ़ की दावत के लिए कुरसियाँ, मेज़, नैपकिन, फूलदान बरामदे में पहुँचाए गए। फालतू सामान को अलमारियों के पीछे और पलंगों के नीचे छिपाया गया।

ख) चीफ़ की दावत के समय मिस्टर शामनाथ ने माँ के लिए क्या बंदोबस्त किया?

उ॰ चीफ़ की दावत के समय मिस्टर शामनाथ ने माँ के लिए एक कुरसी बरामदे में रख दी और उस पर बैठे रहने को कहा।

ग) बरामदे में पहुँचने पर शामनाथ क्यों ठिठक गए?

उ॰ बरामदे में पहुँचने पर शामनाथ इसलिए ठिठक गए क्योंकि माँ कुरसी पर सोई हुई थी, उनका सिर दाएँ से बाएँ और बाएँ से दाएँ झूल रहा था और वे खर्राटे ले रही थीं।

घ) फुलकारी बनाने में माँ ने असमर्थता क्यों जताई?

उ॰ फुलकारी बनाने में माँ ने असमर्थता इसलिए जताई क्योंकि उनकी आँखें कमज़ोर हो गई थी।

ङ) माँ की हरिद्वार जाने की इच्छा सुनकर शामनाथ ने क्या कहा और क्यों?

उ॰ माँ की हरिद्वार जाने की इच्छा सुनकर शामनाथ ने कहा कि उसने फिर वही पुरानी बात छेड़ दी, शामनाथ ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि माँ के हरिद्वार चले जाने पर साहब के लिए फुलकारी कौन बनाता।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) तभी शामनाथ के सामने सहसा एक अड़चन खड़ी हो गई, "माँ का क्या होगा?"
शामनाथ को पाल-पोसकर बड़ा करने वाली वृद्ध माँ उसे अड़चन लगने लगी। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उ॰ मिस्टर शामनाथ के यहाँ चीफ़ की दावत थी। दावत की तैयारियाँ करते समय जब उसे माँ का ध्यान आया तो माँ उसे अड़चन लगने लगीं क्योंकि उसे लग रहा था कि माँ के कारण उसे चीफ़ के सामने नीचा देखना पड़ेगा। कारण यह था कि वृद्ध माँ सोते समय खर्राटे लेती थीं, उनके पास पहनने को अच्छे कपड़े नहीं थे, वे बिना किसी बनाव-श्रृंगार के रहती थीं। शामनाथ का सोचना था कि माँ की वजह से चीफ़ पर वह प्रभाव नहीं जमा पाएगा।

ख) शामनाथ की माँ के मन की व्यथा अपने शब्दों में लिखिए।

उ॰ माँ सोचती थी कि जिसे पाल-पोसकर बड़ा किया। जिसे योग्य बनाने के लिए अपने ज़ेवर तक बेच दिए। वही उसका अपना पुत्र अब उसे बेकार समझने लगा है। वृद्धावस्था में उसका ख्याल रखना तो दूर उसे मानसिक यंत्रणाएँ देता है, उसे अपने मित्रों और चीफ़ पर प्रभाव जमाने की चिंता अधिक है, चाहे माँ को उसके बदले कष्ट ही क्यों न देना पड़ जाए। शामनाथ के इस व्यवहार से माँ का मन अत्यधिक व्यथित हो उठा था।

ग) कहानी के आधार पर मिस्टर शामनाथ के स्वभाव की विशेषताएँ बताइए।

उ॰ कहानी के आधार पर पता चलता है कि शामनाथ एक कुपुत्र है। वह अपनी पत्नी के साथ मिलकर अपनी माँ को मानसिक यंत्रणाएँ देता रहता है। वृद्ध माँ के प्रति उसके मन में ज़रा भी आदर-सम्मान की भावना नहीं है। वह एक स्वार्थी पुत्र और चापलूस कर्मचारी है। अपने चीफ़ को खुश करने के लिए वृद्ध माँ को फुलकारी बनाने के लिए तैयार कर लेता है। जबकि उसकी माँ की आँखें कमज़ोर हो चुकी है। इस प्रकार शामनाथ वृद्धों का अनादर करने वाला, स्वार्थी और चापलूस व्यक्ति है।

भाषा के झरोखे से

1. नीचे लिखे द्विरुक्त शब्दों से वाक्य बनाइए–

तरह-तरह	–	शामनाथ की पत्नी ने मेहमानों के लिए तरह-तरह के पकवान बनाए।
पानी-पानी	–	जब मैंने संजना का झूठ पकड़ लिया तो वह पानी-पानी हो गई।
घर-घर	–	आज घर-घर से महँगाई के विरुद्ध आवाज़ उठने लगी है।
नीचे-नीचे	–	कहते हैं कि सरस्वती नदी आज भी धरती के नीचे-नीचे बहती हुई प्रयाग में गंगा से मिलती है।
पास-पास	–	अशोक नगर में मेरा और सुरेश का घर पास-पास था।

2. निम्नलिखित वाक्यों में समुच्चयबोधक भरिए–

क) वे अपनी सहेली के घर जाना चाहती थी **लेकिन** जा नहीं सकी।

ख) साहब ने धन्यवाद किया **और** खाने की मेज़ की ओर मुड़ गए।

ग) यदि साहब खुश होकर गए **तो** तरक्की हो जाएगी।

घ) माँ की आँखें कमज़ोर हो गई थीं **परंतु** बेटे की खुशी के लिए फुलकारी बनाने के लिए तैयार थी।

ङ) माँ को हिलाकर उठा देना संभव न था **क्योंकि** चीफ़ और बाकी मेहमान पास ही खड़े थे।

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

क) 'मेहमान' शब्द का उचित पर्यायवाची नहीं है–

चंद्रहास

ख) 'नाक' शब्द का उचित अनेकार्थी शब्द नहीं है–

हाथी

ग) 'निश्चित' शब्द का विलोम है–

अनिश्चित

घ) 'आवाज़' शब्द में प्रयुक्त हुआ है–

नुक्ता

ङ) 'पढ़ाई' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है–

आई

4. निम्नलिखित गद्यांश में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए–

साढ़े पाँच बज चुके थे अभी मिस्टर शामनाथ को खुद भी तैयार होना था वे एक बार फिर माँ को हिदायत देने आ गए माँ रोज़ की तरह गुमसुम बैठी रहना अगर साहब अचानक इधर आ निकलें और कोई बात पूछें तो ठीक से जवाब देना

मैं पढ़ी लिखी तो हूँ नहीं मैं क्या बात करूँगी तुम ही कह देना कि माँ अनपढ़ हैं कुछ जानती समझती नहीं

उ० साढ़े पाँच बज चुके थे। अभी मिस्टर शामनाथ को खुद भी तैयार होना था। वे एक बार फिर माँ को हिदायत देने आ गए, "माँ! रोज़ की तरह गुमसुम बैठी रहना। अगर साहब अचानक इधर आ निकलें और कोई बात पूछें, तो ठीक से जवाब देना।"

"मैं पढ़ी-लिखी तो हूँ नहीं, मैं क्या बात करूँगी। तुम ही कह देना कि माँ अनपढ़ हैं, कुछ जानती-समझती नहीं।"

© HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD.

20 नीड़ का निर्माण

मौखिक प्रश्न

1. **सही उत्तर चुनकर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

क) कवि किसके आह्वान की बात कर रहा है?
नेह ✓

ख) 'धूलि-धूसर बादलों' से क्या अभिप्राय है?
मिट्टी से भरे हुए बादल ✓

ग) निराशा रूपी रात्रि के भय से कौन भयभीत हैं?
जन और कण ✓

घ) नाश के दुख से भी कौन-सा सुख नहीं दब सकता?
निर्माण का सुख ✓

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए–**

क) कवि ने फिर से किसके निर्माण की बात कही है?
उ० कवि ने फिर से नीड़ के निर्माण की बात कही है।

ख) आँधी उठने से नभ में क्या परिवर्तन आ गया?
उ० आँधी उठने से नभ में अँधेरा छा गया है।

ग) घोंसलों की क्या दशा हुई?
उ० नष्ट हो गए।

घ) आशा के विहंगम से कवि क्या बताना चाहता है?
उ० आशारूपी पक्षी फिर-फिर निर्माण में लग जाता है।

ङ) क्रुद्ध नभ के वज्र दंतों में भी कौन मुसकराती है?
उ० क्रुद्ध नभ के वज्र दंतों में भी उषा मुसकराती है।

लिखित प्रश्न

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

क) कवि को ऐसा क्यों लग रहा था कि निशा का सवेरा फिर से नहीं होगा?
उ० कवि का मन निराशा, भय और आशंकाओं से भरा हुआ था इसलिए उसे लग रहा था कि निशा का सवेरा फिर से नहीं होगा।

ख) मोहिनी मुसकान का एहसास कवि को कैसे हुआ?
उ० पूरब दिशा के सुप्रभात को देखकर कवि को मोहिनी मुसकान का एहसास हुआ।

ग) पत्थर के महल और घर भी क्यों डगमगा जाते हैं?
उ० जब मुसीबतों के भूचाल आते हैं तो ईंट-पत्थर रूपी विश्वासों के महल भी डगमगा जाते हैं।

घ) चिड़िया चोंच में तिनका लेकर क्यों जा रही है? वह पवन को नीचा किस प्रकार दिखा रही है?
उ० चिड़िया निर्माण का संकल्प लेकर चोंच में तिनका लिए जा रही है।

विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए–

क) इस कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।
उ० इस कविता का मूलभाव यह है कि हमें जीवन की समस्याओं, कठिनाइयों और मुसीबतों से घबराकर या निराश होकर नहीं बैठना चाहिए बल्कि उसमें बार-बार प्रेम-स्नेह का रस घोलते रहना चाहिए।

ख) 'रात-सा दिन हो गया, फिर रात आई और काली' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD. ©

उ॰ इस पंक्ति का आशय यह है कि जीवन में कई बार समस्याओं रूपी धूल से धुँधलाए निराशा के बादल जीवनरूपी आकाश को इस प्रकार ढक लेते हैं कि दिन में ही रात हो जाती है। निराशा, भय, आशंकाओं से भरी उस काली रात में व्यक्ति को ऐसा लगता है कि अब कभी भी उसकी परिस्थितियाँ ठीक नहीं होंगी। निराशा के बादल नहीं छटेंगे और आशा का सवेरा नहीं होगा।

2. भाव स्पष्ट कीजिए–

क) बोल आशा के विहंगम
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर–फिर!

उ॰ इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि जब मुसीबतों के भूचाल में ईंट–पत्थर रूपी विश्वासों के महल डगमगा रहे थे, तब हे आशा के पंछी! तू कहाँ छिपा बैठा था? तुझे तो मुझे अपने पंखों पर बैठाकर सफलता के आकाश पर बहुत ऊँचे उठाना चाहिए था।

ख) नाश के दुख से कभी
दबता नहीं निर्माण का सुख
प्रलय की निस्तब्धता से
सृष्टि का नवगान फिर–फिर!

उ॰ इन पंक्तियों के माध्यम से कवि मनुष्य से कहता है कि नाश के दुख से कभी भी निर्माण का सुख दबता नहीं है, क्योंकि प्रलय के महाविनाश के बाद छाए सूनेपन से ही नवनिर्माण का नया गीत बार–बार फूट पड़ता है। इसलिए हे मनुष्य! तू निडर निरंतर नव निर्माण में लग रह।

भाषा के झरोखे से

1. अब आप उपमा अलंकार वाली कुछ काव्य-पंक्तियाँ लिखिए।

उ॰ उपमा अलंकार वाली कुछ काव्य–पंक्तियाँ–
–'सुनि सुरसरि सम सीतल बानी।'
–मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै,
जैसे उड़ि जहाज को पंछी फिरी जहाज पै आवै।

2. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

की तरह, के सिवाय, के सहारे, के समीप, से दूर।

– गीता की तरह रमा भी नृत्य में प्रवीण है।
– गोपाल के सिवाय कोई भी विद्यार्थी सवाल हल नहीं कर सका।
– गुरुदेव के सहारे मेरा जीवन भी तर जाएगा।
– विद्यालय के समीप ही एक सुंदर बगीचा था।
– रेलवे स्टेशन डाकघर से दूर है।

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

क) 'नभ' शब्द के लिए उपयुक्त पर्यायवाची शब्द हैं–
गगन, आकाश, अंबर (✓)

ख) 'अँधेरा' शब्द के लिए उचित पर्यायवाची शब्द नहीं है–
दिवाकर (✓)

ग) 'घर' शब्द के लिए उचित अनेकार्थी शब्द नहीं हैं–
घनत्व, घराना, घना (✓)

घ) 'मार्ग' शब्द के लिए उचित पर्यायवाची शब्द हैं–
राह, रास्ता, पथ (✓)

HELPLINE PUBLICATIONS (P) LTD.